केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

परीक्षा हमेशा अकेले में होती हैं, लेकिन उसका परिणाम सबके सामने होता है, इसलिए कोई भी कर्म करने से पहले परिणाम का जरूर विचार करें ...

वर्ष : 17 अंक : 04 | उज्जैन, रविवार 14 जून 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

नाविकों की मौत के बाद भारत-अमेरिका आमने-सामने, रुबियो ने जयशंकर से कहा- होर्मुज से गुजरने पर हमारा आदेश मानना होगा

नई दिल्ली/ जीएनएस। होर्मुज स्ट्रेट और ओमान की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों के आवागमन को लेकर भारत और अमेरिका के बीच खुला टकराव सामने आ गया है। अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय नाविकों की मौत के बाद भारत की तरफ से हर स्तर पर कड़ा विरोध दर्ज कराने पर तो अमेरिका ने साफ जवाब दिया है कि, नाकेबंदी का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं होगा, हमारे आदेशों का पालन करना ही होगा। यह जवाब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से शुक्रवार को फोन पर बातचीत के दौरान दी। जयशंकर ने खाड़ी में अमेरिकी नौसेना के हमलों पर भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इसके पहले तीन दिनों में भारतीय विदेश मंत्रालय ने दो बार अमेरिकी दूतावास के शीर्ष अधिकारी को सम्मन कर अपना विरोध प्रकट किया है। जयशंकर ने एक्स पर लिखा, आज शाम अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से बात की। मैंने खाड़ी में अमेरिकी नौसेना के उन हमलों पर भारत का कड़ा विरोध दोहराया जिनमें तीन भारतीय नाविक मारे गए। वाणिज्यिक जहाजों के खिलाफ ऐसी घातक कार्रवाई उचित नहीं है। इसके काफी देर बाद अमेरिकी विदेश विभाग के प्रिंसिपल डिप्टी स्पोक्सपर्सन टामी पिगोट का जवाब आया है कि, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कल भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बात की। दोनों ने होर्मुज स्ट्रेट की हालिया घटनाओं पर चर्चा की। मंत्री ने जोर देकर कहा कि सभी वाणिज्यिक जहाजों को अमेरिकी बलों के आदेशों का तुरंत पालन करना चाहिए क्योंकि वे स्ट्रेट (होर्मुज) में शांति और सुरक्षा बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी नाकेबंदी का उल्लंघन और ईरानी तेल का अवैध परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

क्या दिल्ली में बढ़ेंगे बिजली के दाम? ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने दिया जवाब

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) द्वारा बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) को 10 प्रतिशत से अधिक फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएसी) वसूलने की अनुमति देने का विरोध शुरू हो गया है। इस निर्णय को उपभोक्ता विरोधी बताकर वापस लेने की मांग की जा रही है। डीईआरसी ने एक माह के लिए एफपीपीएसी वसूलने की अनुमति दी है। यूनाइटेड रेजिडेंट्स ऑफ दिल्ली के महासचिव सौरभ गांधी और उपाध्यक्ष (दक्षिण) हेमंत एम शर्मा ने कहा कि डीईआरसी द्वारा डिस्काम को 10 प्रतिशत से अधिक एफपीपीएसी वसूलने की अनुमति देना नियम का उल्लंघन हैं। यह उपभोक्ताओं पर भार डालकर बिजली वितरण कंपनियों को लाभ पहुंचाने का प्रयास है।

उन्होंने कहा कि यह नियम का उल्लंघन हैं। क्योंकि यह नियम उपभोक्ताओं की हित की बात करता है, लेकिन लाभ डिस्काम को पहुंचाया जा रहा है। एनडीएमसी भी उन्हीं बिजली संयंत्रों से बिजली खरीदती है जिससे बीएसईएस व टीपीडीडीएल। इसके बावजूद सिर्फ बीएसईएस और टीपीडीडीएल के उपभोक्ताओं पर बोझ डाला जा रहा है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि सत्ता में आने के बाद लगातार दूसरे वर्ष डिस्कॉम को लाभ पहुंचाने के लिए भाजपा सरकार ने एफपीपीएसी बढ़ाया है। यह दिल्ली के लोगों के साथ विश्वासघात है। डीईआरसी को तत्काल वापल लिया जाना चाहिए। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने डीईआरसी के निर्णय का बचाव किया है। उनका कहना है कि एफपीपीएसी कोई नई व्यवस्था नहीं है। यह बिजली कानूनों के अंतर्गत पुराना प्रविधान है। इसके माध्यम से बिजली कंपनियां ईंधन और बिजली खरीद की बढ़ी हुई लागत का समायोजन करती हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और अन्य अंतरराष्ट्रीय कारणों से ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। इसके कारण पिछले एक महीने में बिजली खरीद की लागत लगभग 31 प्रतिशत बढ़ गई है।

नागरिकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास बनाए रखना पुलिस का पहला कर्तव्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश पुलिस ने ढाई साल के कार्यकाल में हासिल कीं कई ऐतिहासिक उपलब्धियां

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास बनाए रखना पुलिस का पहला कर्तव्य है। पीड़ित व्यक्तियों के साथ विनम्र व्यवहार और उनके हितों की सुरक्षा के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सिंहस्थ-2028, करोड़ों श्रद्धालुओं का आस्था पर्व है। इस आयोजन में संवेदनशीलता, सक्रियता, सतर्कता और सेवा भाव से मध्यप्रदेश पुलिस, आदर्श व्यवस्था का उदाहरण देश-दुनिया में प्रस्तुत कर सकेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित आईजी कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनका अभिवादन किया गया। कॉन्फ्रेंस में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा, अपर मुख्य सचिव श्री संजय शुक्ला सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आईजी स्तर के बाद संभाग स्तर पर भी समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी और वे स्वयं इन बैठकों में शामिल होंगे।

साइबर अपराधों की रोकथाम और जनजागरूकता को दी जाए सर्वोच्च प्राथमिकता- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देशित किया कि साइबर अपराधों की रोकथाम और जनजागरूकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, नशामुक्ति, मानव तस्करी पर नियंत्रण, महिला और बच्चों की सुरक्षा को अधिक सुदृढ़ बनाने तथा धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के

संबंध में न्यायालयों द्वारा दिए गए निर्देशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा तथा सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को पुलिस विभाग की प्रमुख प्राथमिकताएं बताते हुए अधिकारियों को प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध, संगठित अपराध, माफिया गतिविधियां, भूमि संबंधी अपराध, सामाजिक चुनौतियों के नए स्वरूप सामने आ रहे हैं। इनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पुलिस को तकनीकी दक्षता, संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई के साथ कार्य करना होगा।

प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए संचालित किया जाए जनजागरण अभियान- मुख्यमंत्री डॉ. यादवने मध्यप्रदेश पुलिस की कार्यवाहियों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार के ढाई वर्ष के कार्यकाल में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की गई हैं। मध्यप्रदेश पुलिस के अथक प्रयासों से मंडला और बालाघाट जिले नक्सलवाद की समस्या से मुक्त हुए। मध्यप्रदेश की धरती से लाल सलाम को आखिरी सलाम किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में प्रदेश की धरती से नक्सलवाद का पूरी तरह सफाया कर दिया गया है। प्रदेश सरकार ने सुशासन की मिसाल प्रस्तुत की है। मध्यप्रदेश, नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने वाला देश का पहला राज्य बना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऐसी अनेकों उपलब्धियों के लिए आज प्रदेशवासी मध्यप्रदेश पुलिस और सुरक्षाबलों पर गर्व करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में संचालित नशामुक्ति अभियान की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और आमजन की सहभागिता से व्यापक जनजागरण अभियान संचालित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखने के लिए जागरूकता, संवाद और सामुदायिक भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राज्य सरकार हर साल भर्ती के लिए कर रही है आवश्यक प्रबंधन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार भारत सरकार के नए आपराधिक कानूनों को लागू करते हुए और सभी जरूरी संसाधन जुटाते हुए पुलिस भर्ती प्रक्रिया को जारी रख रही है। अब तक पुलिस विभाग में 22 हजार अलग-अलग पदों पर भर्ती की जा चुकी है। राज्य सरकार हर साल भर्ती करने के लिए सभी आवश्यक प्रबंधन कर रही है। हमारा प्रयास है कि स्वीकृत पदों में से कोई भी पद खाली न रहे। विकास के क्रम में पुलिस अपनी पूरी क्षमता से सुशासन और प्रदेशवासियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए कार्य करे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ-2028 की तैयारियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि विश्वस्तरीय प्रबंधन की बड़ी चुनौती भी है। इसके लिये अभी से प्रशिक्षण, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, आपदा प्रबंधन तथा आधुनिक तकनीक आधारित सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया जाए। इससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित वातावरण तथा आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था के प्रशिक्षण से प्रदेश में आयोजित होने वाले अन्य बड़े मेलों के प्रबंधन को भी बेहतर बनाया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार में भोजशाला से संबंधित न्यायालय के निर्णय को मध्यप्रदेश पुलिस ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर लागू कराया। भोजशाला में वसंत पंचमी के अवसर पर शांति पूर्ण स्थिति कायम रखने में भी पुलिस की अहम भूमिका रही।

देश में शहरी विकास का नया अध्याय,नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह; प्रकृति आधारित समाधानों पर जोर

नई दिल्ली/ जीएनएस। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत प्रमुख थिंक टैंक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स ने आज विज्ञान भवन में एकीकृत और टिकाऊ शहरी विकास के क्षेत्र में अपने 50 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन 'रेज़िलिएंट अर्बन इंडिया @2047' (लचीला शहरी भारत @2047) की थीम पर किया गया। कार्यक्रम में ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से 1,000 से अधिक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों, नीति निर्माताओं और शोधकर्ताओं ने भाग लिया।

भविष्य के शहरों के लिए प्रकृति-आधारित समाधान जरूरी- कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। NIUA की 50 वर्षों की सेवाओं की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, शहरों में बढ़ते जलवायु संबंधी तनावों को देखते हुए, भविष्य के शहरी विकास को सक्रिय योजना, प्रकृति-आधारित समाधान, हरित बुनियादी ढांचे और टिकाऊ प्रणालियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

आवास और शहरी मामलों के सचिव श्री श्रीनिवास कटिकिथला ने कहा कि विकसित भारत @2047 के लक्ष्य को पाने के लिए शहरों को केवल विकास के लिए ही नहीं, बल्कि लचीलेपन और दीर्घकालिक अनुकूलन के लिए भी योजनाबद्ध किया जाना चाहिए। वहीं, मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव और NIUA के उपाध्यक्ष श्री सतिंदर पाल सिंह ने कहा कि अगले 50 वर्षों की शहरी चुनौतियां बिल्कुल अलग होंगी, जिनके लिए मजबूत संस्थानों और सटीक ज्ञान की आवश्यकता होगी। हृद्धु की निदेशक डॉ. देबोलिना कुंडू ने संस्थान को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और स्थानीय वास्तविकताओं के बीच एक मजबूत सेतु बताया।

इस अवसर पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें 1976 से अब तक NIUA की पांच दशक की यात्रा और भारत के शहरी परिदृश्य में इसके योगदान को दर्शाया गया। समारोह के दौरान शहरी प्रशासन और नीति-निर्माण को सुदृढ़ करने के लिए कई प्रमुख प्रकाशनों का विमोचन किया गया- 'विजन फॉर ए रेजिलिएंट अर्बन इंडिया'- भविष्य के लिए तैयार और टिकाऊ शहरों की रणनीति पर आधारित।

मेरी हालत खराब हो गई है, पछता रहा हूं, 370 रुपये की बिरयानी का किस्सा सुनाने वाले हिमांशु जांगड़ा का वीडियो वायरल

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रणीत मोरे के स्टैंड-अप कॉमेडी शो में हरियाणा के हिमांशु जांगड़ा अपने बयानों की वजह से घिर गए। हिमांशु ने एक महिला को 370 रुपये की बिरयानी खिलाने के बदले उसे वसूलने की बात कही। प्रणीत मोरे के शो की इस वायरल क्लिप ने देश भर में विवाद खड़ा कर दिया।

इस विवाद को लेकर हिमांशु जांगड़ा ने कहा है कि वे पछतावे के साथ जी रहे हैं। शो का यह क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उन्हें कानूनी मुश्किलों, सामाजिक बहिष्कार और लगातार ऑनलाइन मिल रही गालियों का सामना करना पड़ रहा है।

गुरुग्राम की कंपनी स्टारविक डिजाइन के इंस्टाग्राम अकाउंट से जारी एक वीडियो में हिमांशु जांगड़ा ने कंपनी के फाउंडर विवेक विश्वकर्मा से बात की। प्रणीत मोरे के शो की क्लिप वायरल होने के बाद जांगड़ा को इसी कंपनी से नौकरी से निकाला गया है।

बातचीत के दौरान जांगड़ा ने कहा, सर, अब मेरी हालत बहुत खराब है, मैं बहुत तनाव में हूं। अब जब मैं अपने परिवार को देखता हूं तो मुझे बहुत पछतावा होता है कि मैं उस शो में क्यों गया था।

जनसांख्यिकी की पड़ताल में असंतुलन से ज्यादा चौंकाएंगे बुजुर्गों से जुड़े आंकड़े : डॉ. देसाई

नई दिल्ली/ जीएनएस। जनसांख्यिकी परिवर्तन का उल्लेख होते ही सभी का ध्यान घुसपैठियों पर केंद्रित हो जाता है, हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि समाज का यह जादुई आईना इस बार कुछ ऐसी तस्वीरें पेश कर सकता है, जिसमें कई नए मोड़ होंगे। भारतीय समाज को एक बार फिर अपनी मान्यताओं, अवधारणाओं को फिर से परिभाषित करना होगा।

नेशनल काउंसिल ऑफ अप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) और नेशनल डाटा इनोवेशन सेंटर (एनडीआइसी) की निदेशक डॉ. सोनलदे देसाई का कहना है जनसांख्यिकी गणना में आबादी असंतुलन से भी बुजुर्गों से जुड़े आंकड़े चौंकाएंगे। यह आंकड़े ही अब नई अवधारणाओं को जन्म देंगे। जहां तक घुसपैठियों की बात है तो उनके आकलन अनुसार इस जनसांख्यिकी पड़ताल में सटीक आकलन थोड़ा मुश्किल है, क्योंकि हमारे पास संभवतः पिछले आंकड़े उतने व्यवस्थित नहीं हैं।

तृणमूल युवा इकाई की अध्यक्ष पद से सायोनी घोष हटाई गईं, सुदीप बंद्योपाध्याय की भी जिलाध्यक्ष पद से छुट्टी

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद पार्टी में जारी उठापटक व दो-फाड़ के बीच तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने शनिवार को एक बार फिर बड़ा सांगठनिक फेरबदल किया है।

तृणमूल के युवा संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए पार्टी नेतृत्व ने जादवपुर से सांसद व अभिनेत्री सायोनी घोष को पार्टी की युवा इकाई के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया है। उनकी जगह अर्णब बनर्जी को युवा इकाई की जिम्मेदारी सौंपी गई। तृणमूल सांसदों के बागी गुट में सायोनी घोष के भी शामिल होने की खबरों के बीच पार्टी ने यह बदलाव किया है। इसी के साथ संगठन को मजबूत करने और अंदरूनी असंतोष को संभालने के लिए जिला स्तर पर भी बड़े बदलाव किए गए। पार्टी नेतृत्व ने वरिष्ठ सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय को उत्तर कोलकाता के जिला अध्यक्ष पद से हटा दिया है।

फ्रांस में होगी पीएम मोदी-ट्रंप की मुलाकात, G-7 बैठक में भी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को फ्रांस और स्लोवाकिया के छह दिवसीय दौरे पर रवाना हुए। पीएम मोदी इन दोनों देशों की द्विपक्षीय आधिकारिक यात्रा करने के साथ ही फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा भी लेंगे।

भारतीय पीएम की इस यात्रा के दौरान प्रौद्योगिकी क्षेत्र में चर्चा काफी अहम रहेगी, लेकिन उनकी वैश्विक नेताओं के साथ होने वाली बैठकों पर नजर रहेगी।

इमानुएल मैक्रों और ट्रंप से मुलाकात करेंगे पीएम मोदी- प्रधानमंत्री मोदी की इस दौरे पर राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात होगी। व्हाइट हाउस ने इस मुलाकात की पुष्टि की है। पीएम मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों से भी मिलेंगे। इस वार्ता में दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करेंगे। रवाना होने से पहले जारी अपने वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, फ्रांस भारत की रणनीतिक दृष्टि में विशेष स्थान रखता है। इस वर्ष की शुरुआत में राष्ट्रपति मैक्रों की भारत यात्रा के दौरान हमने अपने संबंधों को स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप तक ऊंचा उठाया था।

नाइस में राष्ट्रपति मैक्रों से मुलाकात के दौरान हम फरवरी के बाद हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे और सहयोग के अगले कदम तय करेंगे।

वैश्विक मुद्दों पर होगी चर्चा- प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि वे वैश्विक मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा करेंगे।

अग्निवीरवायु, स्क्वाड्रन लीडर, लेफ्टिनेंट... IAF के An-32 क्रैश में बलिदान 5 जवान कौन थे?

नई दिल्ली/ जीएनएस। असम के जोरहाट के पास An-32 विमान हादसे में जान गंवाने वाले वायु सेना के पांच जवानों की पहचान स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम के तौर पर की गई है।

वायु सेना के अनुसार, An-32 विमान सुबह करीब 10 बजे जोरहाट के पास एक नियमित उड़ान के दौरान हादसे का शिकार हो गया।

An-32 विमान दुर्घटना में 5 जवान शहीद- इससे पहले, वायु सेना के एक अधिकारी ने बताया कि विमान रनवे पर उतर नहीं पाया और एयरस्ट्रिप के बाहर एक इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वायु सेना ने एक बयान में मौतों की पुष्टि करते हुए कहा कि भारतीय वायु सेना जोरहाट में An-32 दुर्घटना में पांच जवानों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करती है।

दुर्घटना की जांच जारी- वायु सेना ने कहा कि दुर्घटना स्थल पर ऑपरेशन जारी है और जांचकर्ता दुर्घटना का कारण पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। जल्दबाजी में किसी नतीजे पर न पहुंचने की अपील करते हुए IAF ने कहा कि सभी से अनुरोध है कि शुरुआती नतीजे आने तक अटकलें लगाने से बचें।

दो इंजन वाला मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट है एंटोवोन An-32- एंटोवोन An-32, जो दो इंजन वाला मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट है, भारतीय वायु सेना के मीडियम लिफ्ट बेड़े का एक अहम हिस्सा है। अभी इसके करीब 100 विमान सेना में हैं।

IAF की ऑपरेशनल जरूरतों को पूरा करने के लिए पूर्व सोवियत संघ में विकसित An-32 को मुश्किल हालात, जैसे दूर-दराज और ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में ऑपरेशन के लिए डिजाइन किया गया है।

दूर-दराज के इलाकों में सामान पहुंचाने के काम आता है एयरक्राफ्ट- पंखों के ऊपर लगे दो टर्बोप्रॉप इंजन वाला यह विमान 7,500 किलोग्राम तक का सामान 50 यात्री या 42 पैराट्रूपर्स ले जा सकता है। इसका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर टैक्टिकल एयरलिफ्ट मिशन, सैनिकों की आवाजाही और दूर-दराज के इलाकों में सामान पहुंचाने के लिए किया जाता है।

IAF ने पुराने हो रहे बेड़े को हटाने और उसकी नए मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, जैसे एयरबस C-295 लाने की योजना शुरू की है। इस प्रोग्राम को हास ही में तब बढ़ावा मिला जब भारत में बना पहला C-295 विमान गुजरात के वडोदरा में फाइनल असेंबली लाइन से अपनी पहली टेस्ट फ्लाइट पूरी कर चुका है।

भारत की अध्यक्षता में 'ब्रिक्स इंदौर डिक्लेरेशन', वैश्विक कृषि सहयोग का नया घोषणापत्र; केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी जानकारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में आयोजित ब्रिक्स देशों की कृषि मंत्रिस्तरीय और अधिकारी स्तरीय बैठकों का समापन आज एक सर्वसम्मत 'इंदौर डिक्लेरेशन' के साथ हुआ, जिसमें खाद्य सुरक्षा, किसान कल्याण, जलवायु-सहनीय खेती, कृषि व्यापार और डिजिटल एग्रीकल्चर को नई दिशा देने वाले कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वैश्विक संकट और अनिश्चितताओं के बीच ब्रिक्स देशों की यह बैठक पूरी दुनिया के लिए आशा, विश्वास और सामूहिक जिम्मेदारी का सशक्त संदेश लेकर आई है।

बैठक का स्वरूप, ताकत और संदर्भ- केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने सहयोगी मंत्रियों श्री रामनाथ ठाकुर और श्री भागीरथ चौधरी तथा वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में मीडिया से चर्चा में कहा कि कृषि समूह की मंत्री स्तरीय तथा उससे पहले अधिकारी स्तरीय, दोनों बैठकें सानंद, सार्थक और सफलतापूर्वक संपन्न हुई हैं। उन्होंने बताया कि सदस्य और सहयोगी देशों के लगभग 60 विदेशी प्रतिनिधियों सहित कुल लगभग 100 प्रतिनिधियों ने इस बैठक में भाग लिया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कृषि और खाद्य सुरक्षा के प्रश्न पर ब्रिक्स देशों के बीच कितना गहरा जुड़ाव और गंभीरता है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ब्रिक्स देश दुनिया की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं, इनके पास वैश्विक कृषि भूमि का करीब 42 प्रतिशत हिस्सा है और विश्व के खाद्यान्न उत्पादन में भी लगभग 42 प्रतिशत योगदान इन्हीं देशों का है, इसलिए इनकी सामूहिक आवाज वैश्विक मंच पर एक प्रभावी शक्ति के रूप में उभरी है।

उन्होंने इस बात पर भी गर्व व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस बार ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास है और ब्रिक्स के कृषि समूह की दोनों बैठकें- अधिकारी स्तर और मंत्री स्तर, इसी परिप्रेक्ष्य में इंदौर में संपन्न हुई हैं।

चार मुख्य प्राथमिकताएं- किसान, खाद्य सुरक्षा और जलवायु- शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया में चार प्रमुख प्राथमिकताओं पर गहन विमर्श हुआ- दुनिया और ब्रिक्स देशों की खाद्य सुरक्षा (फूड सिक्योरिटी) और पौष्टिक आहार, ब्रिक्स देशों के बीच कृषि व्यापार और सहयोग को बढ़ावा, जलवायु परिवर्तन की चुनौती के बीच रीजेनेरेटिव फार्मिंग, जलवायु अनुकूल और सतत कृषि पद्धतियाँ, खाद्य प्रणालियों और कृषि क्षेत्र में नवाचार, तकनीक और साझेदारी को मजबूत करना।

उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि भरपूर अनाज उपलब्ध हो, साथ ही पोषणयुक्त भोजन भी सभी तक पहुंचे और जो अन्नदाता किसान दुनिया को भोजन देता है, उसकी आजीविका सुरक्षित और बेहतर हो, इन्हीं सवालों को बैठक की सोच के केंद्र में रखा गया।

श्री चौहान ने कहा कि छोटे और सीमांत किसान, जिन्हें कई देशों में फैमिली फार्मर्स भी कहा जाता है, उन पर विशेष फोकस रखते हुए एक अलग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उनकी कठिनाइयों, इनपुट्स की उपलब्धता, ऋण प्रवाह, उचित कीमत और बाजार से जुड़ाव पर विस्तार से चर्चा हुई।

'इंदौर डिक्लेरेशन'- किसान-केंद्रित वैश्विक घोषणापत्र- केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने बताया कि व्यापक विचार-विमर्श के बाद जो संयुक्त घोषणा पत्र तैयार हुआ, उसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया और इंदौर में अपनाए जाने के कारण इसे 'इंदौर डिक्लेरेशन' के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि इस घोषणा पत्र का केंद्र किसान है- किसान को केंद्र में रखकर खाद्य सुरक्षा, पोषण, आजीविका, कृषि व्यापार, नवाचार, निवेश, क्लाइमेट रेज़िलिएंट खेती और सतत कृषि विकास को आगे बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता इस डिक्लेरेशन में दर्ज की गई है।

श्री चौहान ने जोर देकर कहा कि यह दस्तावेज केवल सहमति का कागज़ नहीं है, बल्कि ब्रिक्स देशों की सामूहिक इच्छाशक्ति, साझा उत्तरदायित्व और कृषि को माध्यम बनाकर अधिक सुरक्षित, समृद्ध और टिकाऊ भविष्य गढ़ने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सदस्य देशों ने तय किया है कि इंदौर डिक्लेरेशन में दर्ज सभी पहलों को ज़मीन पर उतारने के लिए मिलकर, सामूहिक और सतत प्रयास किए जाएंगे, ताकि इसके लाभ वास्तविक रूप से किसानों, ग्रामीण समुदायों और खाद्य प्रणालियों तक पहुंच सकें।

चार नई संस्थागत पहलें- नेटवर्क और फोरम-

1. सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस ऑन एग्रो-इकोलॉजी एंड रीजेनेरेटिव एग्रीकल्चर- शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि पहली बड़ी पहल BRICS Network of Centres of Excellence on Agro-Ecology and Regenerative Agriculture की स्थापना है। उन्होंने कहा कि यह नेटवर्क प्राकृतिक, जैविक और पुनर्योजी कृषि पद्धतियों पर संयुक्त रिसर्च, अनुभव-साझेदारी और क्षमता निर्माण का प्लेटफॉर्म बनेगा, जिसके माध्यम से सदस्य देश एक-दूसरे की सर्वोत्तम प्रथाओं से सीख सकेंगे और जलवायु अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि प्रणालियों को बढ़ावा दे सकेंगे।

उन्होंने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लंबे समय से प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर जोर देता आया है, अत्यधिक रसायन प्रयोग से होने वाले खतरों के प्रति चेतावनी देता रहा है और अब ब्रिक्स देशों ने भी इसकी महत्ता को स्वीकार करते हुए इस नेटवर्क की स्थापना पर सहमति व्यक्त की है।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने जानकारी दी कि भारत में इस नेटवर्क के अंतर्गत प्राकृतिक खेती से जुड़े सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम को महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है, जो संयुक्त रिसर्च, नॉलेज शेयरिंग और ट्रेनिंग में अहम योगदान देगा।

2. BRICS Network on Digital Agriculture- दूसरी प्रमुख पहल BRICS Network on Digital Agriculture की स्थापना है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, भू-स्थानिक तकनीक, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डेटा आधारित कृषि समाधानों के क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देगा। श्री चौहान ने कहा कि यह नेटवर्क आधुनिक प्रौद्योगिकी और कृषि नवाचार के बीच एक सशक्त सेतु का काम करेगा, जिससे विकसित हो रही तकनीकों को अधिक मजबूत बनाकर सीधे किसानों तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने बताया कि इस नेटवर्क का समन्वय भारत में ।IT, दिल्ली द्वारा किया जाएगा, जबकि सभी सदस्य देश इसमें शामिल होकर अपने अनुभव, इनोवेशन और नीतिगत पहल साझा करेंगे, ताकि डिजिटल एग्रीकल्चर के क्षेत्र में सामूहिक प्रगति सुनिश्चित हो सके।

सीएम हेल्पलाइन शिकायत पर 15 मिनट में कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायत के आधार पर सिल्वर मॉल के पास स्थित मधुर गर्ल्स हॉस्टल में खराब भोजन परोसे जाने की शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत प्राप्त होते ही खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा 15 मिनट के भीतर मौके पर पहुंची एवं निरीक्षण कर कार्रवाई प्रारंभ की गई।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि गर्ल्स हॉस्टल में भोजन की आपूर्ति तनुश्री थाली द्वारा की जा रही थी। मौके पर प्रभारी श्री प्रवीण जोशी उपस्थित पाए गए।

निरीक्षण के दौरान किचन एवं भोजन निर्माण क्षेत्र में अपेक्षित स्तर की साफ-सफाई नहीं पाई गई। खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप स्वच्छता व्यवस्था नहीं होने के कारण तत्काल आवश्यक कार्रवाई की गई।

शताब्दी वर्ष में गुणात्मक कार्यविस्तार और व्यापक समाज संपर्क पर संघ का जोर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर संगठन ने मंडल-बस्ती को कार्य की धुरी और शाखा-बस्ती को आधार बनाकर व्यापक समाज संपर्क एवं गुणात्मक कार्यविस्तार का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी उद्देश्य के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मालवा प्रांत की वार्षिक प्रांत बैठक का शुभारंभ रतलाम में प्रांत संघचालक प्रकाश शास्त्री और प्रांत कार्यवाह विनीत नवाथे द्वारा भारत माता पूजन के साथ किया गया। तीन दिवसीय यह बैठक 12 जून से प्रारंभ होकर 14 जून तक चलेगी। उद्घाटन सत्र में प्रांत कार्यवाह विनीत नवाथे ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि संघ स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रत्येक हिंदू तक संघ विचार पहुंचाने, समाज की सज्जन शक्ति को कार्य से जोड़ने तथा प्रत्येक ग्राम और मोहल्ले में सक्रिय हिंदू टोली के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष से ही वृहद शाखा बैठकों के माध्यम से पंच परिवर्तन के संकल्प को स्वयंसेवकों, शाखाओं और परिवारों तक पहुंचाने का अभियान चलाया जा रहा है। प्रतिवेदन के अनुसार मालवा प्रांत के 1359 ग्रामीण मंडलों में से 1269 मंडल शाखायुक्त हैं, जबकि शेष मंडलों में साप्ताहिक मिलन या मासिक मंडलियों के माध्यम से गतिविधियां संचालित हो रही हैं। प्रांत के 12,885 गांवों में से 6,509 गांव कार्ययुक्त हैं तथा कुल 3,292 शाखा स्थानों पर नियमित गतिविधियां संचालित हो रही हैं। बीते वर्ष 246 नए शाखा स्थानों की वृद्धि दर्ज की गई है। शताब्दी वर्ष का प्रारंभ विजयादशमी उत्सव और संचलनों के साथ हुआ, जिसमें प्रांत के 1,472 स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में 45 हजार से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। वहीं बाल संचलनों में लगभग 35 हजार बाल स्वयंसेवक शामिल हुए। संघ द्वारा व्यापक गृह संपर्क अभियान के तहत प्रांत के 12,246 गांवों और 969 बस्तियों में पहुंचकर लगभग 32 लाख परिवारों से संपर्क किया गया। इस दौरान परिवारों को संघ साहित्य, कर पत्रक और भारत माता के चित्र वितरित किए गए। सामाजिक समरसता और सद्भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित बैठकों में 10,840 समाजजनों ने भाग लिया, जिनमें 462 महिलाएं भी शामिल रहीं। वहीं विभिन्न हिंदू सम्मेलनों के माध्यम से 20 लाख से अधिक परिवारों और 68 लाख से अधिक समाजजनों तक संपर्क स्थापित किया गया। इन कार्यक्रमों में 2,521 संतों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ तथा सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी जीवनशैली को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया।

जून माह तक पेयजल उपलब्धता की जद्दोजहद: 8 किमी दूर से पानी खींचने की कयावद तेज

नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, जलकार्य सभापति निलेश जैन ने मोरवनी दोह का निरीक्षण किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर एवं नपा जलकार्य सभापति निलेश जैन ने नपा की जलकार्य समिति के सदस्यों एवं नपा कर्मचारियों के साथ शिवना नदी के मोरवनी दोह का निरीक्षण किया।

यहां संग्रहित पानी को नपा के जल स्त्रोतों में पहुंचाने की व्यवस्था को देखा। नगरपालिका परिषद आगामी समय में जल संकट की स्थिति नहीं बने, इसके लिये लगातार प्रयास कर रही है। कभी कभी मानसून देरी से आने पर नपा के जलस्त्रोतों में पानी की कमी हो जाती है, जिसके कारण पेयजल वितरण व्यवस्था प्रभावित होती है। आगामी समय में ऐसी स्थिति निर्मित नहीं हो, इसके लिये रमादेवी गुर्जर की नपा परिषद लगातार प्रयास कर रही है कि कंथार डेम व आजाद जलाशय के मध्य शिवना नदी में जहां पानी चट्टानों के बीच में संग्रहित है, उसे नपा के आजाद जलाशय और बाद में उसे कालाभाटा बांध तक पहुंचाये, ताकि नगर पालिका को 10-15 दिवस पेयजल वितरण करने जितना पेयजल उपलब्ध हो सके इसी उद्देश्य को लेकर नगरपालिका शिवना नदी के मोरवनी दोह जो कि मंदसौर नगर से लगभग 8 कि.मी. दूर है। वहाँ मोटर लगाकर पेयजल आजाद जलाशय की ओर लाया जा रहा है। इसी व्यवस्था को देखने के लिये कल शनिवार को नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर एवं जलकार्य सभापति निलेश जैन ने मोरवनी दोह पहुंचकर निरीक्षण किया। नपा कर्मचारियों ने नपाध्यक्ष एवं सभापति को अवगत कराया कि यहाँ 2 मोटर 10-10 हार्स पावर की लगायी गयी है और पानी को आजाद जलाशय की ओर पाईप के माध्यम से शिफ्ट कर भेजा जा रहा है इस पानी को कालाभाटा जलाशय में स्टोरेज किया जा रहा है जलकार्य का अमला लगातार यह कार्य कर रहा है। निरीक्षण के अवसर पर नपा जलकार्य समिति सदस्यगण गोवर्धन कुमावत, सुनिता गुजरिया, कमलेश सिसोदिया, पार्षद प्रतिनिधि राकेश भावसार, नंदलाल गुजरिया भी साथ थे। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने इस मौके पर कहा कि मानसून की देरी होने पर भी मंदसौर नगर में पानी की दिक्कत नहीं हो, इसके लिये नपा परिषद सजग है तथा शिवना नदी में मोरवनी दोह जहां पानी संग्रहित है उस पानी को कालाभाटा बांध की ओर लाया जा रहा है। जलकार्य सभापति निलेश जैन ने कहा कि नगरपालिका का प्रयास है कि मंदसौर नगर के नागरिकों को उनकी आवश्यकता के अनुसार पेयजल मिले।

258 किमी के मेगा कॉरिडोर से नीमच बाहर, जिले को क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की चुप्पी से लगा विकास का झटका

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भोपाल-मंदसौर प्रस्तावित 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल कॉरिडोर परियोजना में नीमच जिले को शामिल नहीं किए जाने के मुद्दे पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने भाजपा जनप्रतिनिधियों पर तीखा हमला बोला है। शुक्रवार को कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने आरोप लगाया कि जिले के सांसद और तीनों विधायक नीमच के हितों की रक्षा करने में पूरी तरह असफल रहे हैं, जिसके कारण जिले को एक महत्वपूर्ण विकास परियोजना से वंचित होना पड़ा।

बाहेती ने मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) के दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा कि भोपाल से मंदसौर तक प्रस्तावित लगभग 258 किलोमीटर लंबे ग्रीनफील्ड फोरलेन कॉरिडोर की डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन इस परियोजना का विस्तार नीमच तक नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि यदि यह फोरलेन मार्ग नीमच तक जोड़ा जाता तो जिले को राजधानी भोपाल से सीधा और आधुनिक सड़क संपर्क मिलता, जिससे व्यापार, उद्योग, कृषि तथा पर्यटन क्षेत्र को व्यापक लाभ मिलता। इसके बावजूद जनप्रतिनिधियों द्वारा इस दिशा में कोई प्रभावी प्रयास नहीं किए गए।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सांसद सुधीर गुप्ता तथा विधायक दिलीप सिंह परिहार, माधव मारू और ओमप्रकाश सकलेचा पर निशाना साधते हुए कहा कि सभी जनप्रतिनिधि इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर मौन बने हुए हैं। उन्होंने इसे जिले के विकास के अवसरों को प्रभावित करने वाला निर्णय बताते हुए कहा कि जनता को इस विषय पर जवाब मांगने का पूरा अधिकार है।

प्रेस वार्ता में बाहेती ने सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संस्थाओं और आम नागरिकों से इस मुद्दे पर एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नीमच के हितों की रक्षा के लिए सड़क से लेकर जनआंदोलन तक संघर्ष करेगी और जिले को परियोजना से जोड़ने की मांग को लेकर लगातार आवाज उठाएगी।

पंजाब नेशनल बैंक से गायब हुए 99.90 लाख रुपये, गबन के आरोप में तत्कालीन मैनेजर और डिप्टी मैनेजर सस्पेंड, प्रकरण दर्ज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पंजाब नेशनल बैंक मंदसौर की करेंसी चेस्ट शाखा में 99 लाख 90 हजार रुपये गायब मिले। इस मामले की शिकायत बैंक प्रबंधन ने कोतवाली पुलिस से की है। यह मामला मई माह में सामने आया था। मामले में तत्कालीन शाखा प्रबंधक अनुज शर्मा और उपप्रबंधक उत्कर्ष घावरी के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है। बैंक प्रबंधन ने दोनों को निलंबित कर दिया है

पुलिस के अनुसार करेंसी चेस्ट के तत्कालीन शाखा प्रबंधक अनुज शर्मा ने मई में रुपये गायब मिलने की रिपोर्ट सर्किल हेड को भेजी थी। इसके आधार पर भोपाल के डिप्टी जोनल हेड ने जांच के लिए आलोक कातरे, राजीव रंजन कुमार को भेजा था। जांच और भौतिक सत्यापन के बाद निष्कर्ष निकला कि चेस्ट में कुल रुपये 4.05 करोड़ रुपये होना चाहिए था, लेकिन वहां 3.05 करोड़ रुपये ही निकले। ये रुपये तत्कालीन शाखा प्रबंधक करेंसी चेस्ट अनुज शर्मा, उप प्रबंधक उत्कर्ष घावरी के रहते हुए गायब हुए थे। लेकिन बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को समय पर इसकी जानकारी नहीं दी गई। जांच के दौरान करसी चंद सत्यापन में संबंधित निर्धारित सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन पाया। निर्धारित सुरक्षा प्रक्रिया के अनुसार करसी चंद कैशियर डबल लॉक सिस्टम के अंतर्गत संचालित करना आवश्यक है, जिससे लॉक धन की सुरक्षा एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित हो सके। किन्तु जांच में पाया कि करसी चंद के समय केवल कैशियर कमरा रूप से डबल लॉक सिस्टम के स्थान पर सिंगल लॉक सिस्टम से संचालित किया जा रहा था। वहीं स्टोर रूम में बैंकिंगरमेट प्राधिकरण के माध्यम से प्रवेश अधिकारियों सत्यापन नहीं की भी प्रवेश करने दिया। जो नकद लॉक के प्रवेश अधिकारी नहीं थे। पी-आर-भाभिक अधिकारियों को हड़पने में प्रवेश प्रदान किया गया। मैनि सुरक्षा व मुख्य एवं निर्धारित करसी चंद प्रक्रिया का उल्लंघन भी। इतना ही नहीं बकाया ऑडिट रिपोर्ट में भी करसी चंद में 1 करोड़ रुपए कम होने की जानकारी नहीं दी गई थी। जुलाई 2025 से दिसंबर 2025 का अवधि में यह अत्यधिक संचालन व प्रो हेडी बिना नकद रोक की कमी का जिमेदार अधिकारियों ने कोई प्रयास नहीं किया। इसी प्रकार हिसाबिक ऑडिट रिपोर्ट, मार्क्स निरक्षण प्रतिवेदन तथा सहायक केस सत्यापन प्रतिवेदनों में एक करोड़ रुपए नगदी की कमी का कोई उल्लेख दर्ज नहीं किया गया। व करसी चंद व संचालन में गंभीर अनियमितता, अनियमितता हेराफेरी एवं लोक धन के कथित गबन/अनधिकृत न्यासभंग का मामला है।

मोखमपुरा बना नीमच जिले का पहला 24 घंटे पेयजल आपूर्ति वाला ग्राम, हर घर पहुंचा पान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विकासखंड मनासा की डायली पंचायत का मोखमपुरा ग्राम नीमच जिले का ऐसा पहला गांव बन गया है, जहां हर घर जल घोषित कर प्रतिदिन 24 घंटे सुचारू पेयजल आपूर्ति शुरू कर दी गई है। मध्य प्रदेश जल निगम नीमच के अंतर्गत संचालित गांधी सागर-2 समूह पेयजल योजना के माध्यम से यह मुकाम हासिल हुआ है।इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर ग्राम मोखमपुरा में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मध्य प्रदेश जल निगम भोपाल के प्रबंध संचालक श्री के.वी.एस. चौधरी विशेष रूप से शामिल हुए और गांव को अधिकारिक रूप से जिले का प्रथम 24 घंटे पेयजल आपूर्ति वाला ग्राम घोषित किया।

महिलाओं ने जताया आभार, कहा- अब समय और परेशानी दोनों से मिली मुक्ति- कार्यक्रम के दौरान प्रबंध संचालक श्री चौधरी ने ग्रामीण महिलाओं से संवाद कर पहले और अब की स्थिति की जानकारी ली। महिलाओं ने बताया कि इस योजना से पहले उन्हें पीने के पानी के लिए गांव से 1 किलोमीटर दूर स्थित कुएं पर जाना पड़ता था। इससे घर के कामों में बहुत समय बर्बाद होता था और बारिश के दिनों में जंगली कीड़ों का डर भी बना रहता था। अब घर बैठे पर्याप्त पानी मिलने से ग्रामीण महिलाओं ने जल निगम का आभार व्यक्त किया और खुशी जताई।

प्रबंध संचालक ने घर-घर जाकर परखा पानी- कार्यक्रम के बाद प्रबंध संचालक श्री चौधरी ने स्वयं गांव के प्रत्येक घर का भ्रमण किया। उन्होंने घरों में लगे नलों को चालू करवाकर आ रहे पेयजल की गुणवत्ता और दबाव का बारीकी से निरीक्षण किया।

कार्यक्रम में यह रहे मौजूद- इस गरिमामयी अवसर पर जल निगम के मुख्य महाप्रबंधक श्री के.एम. मुद्गल, महाप्रबंधक (नीमच) श्री डी.के. बिजोरिया, तकनीकी प्रबंधक सुश्री सोनम चौहान, जनसहभागिता प्रबंधक श्री दिनेश चंद्र उपाध्याय मौजूद थे। इनके साथ ही SQC DTL, ISA कैंप नीमच के परियोजना प्रबंधक, SQC व DBL के अभियंता व कर्मचारी, ग्राम सरपंच बैंसला सहित डायली और मोखमपुरा के महिलाओं तथा पुरुषों की उपस्थित रही।

क्रेडिट कार्ड आवेदन संग्रहण में मध्यप्रदेश देश में द्वितीय स्थान पर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत पथ विक्रेताओं (स्ट्रीट वेंडर्स) के आर्थिक सुदृढ़ीकरण एवं वित्तीय समावेशन के लिए प्रदेश में प्रयास निरंतर जारी हैं। योजना के अंतर्गत क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन पत्र संग्रहण में मध्यप्रदेश ने देश में द्वितीय स्थान प्राप्त कर महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। प्रदेश में अब तक 10 हजार से अधिक क्रेडिट कार्ड आवेदन विभिन्न बैंकों को प्रेषित किए जा चुके हैं, जिनमें से बैंकों द्वारा 900 से अधिक आवेदनों का सफलतापूर्वक सत्यापन कर 500 से अधिक क्रेडिट कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

योजना अंतर्गत क्रेडिट कार्ड सुविधा का लाभ प्राप्त करने के लिए विभाग द्वारा पात्रता मापदंड निर्धारित किए गए हैं। इसमें वे समस्त शहरी पथ विक्रेता पात्र होंगे, जिन्होंने अपने ऋण की द्वितीय किश्त का सफलतापूर्वक पुनर्भुगतान कर दिया है तथा वे तृतीय किश्त के लिए अर्हता रखते हैं। इसके अतिरिक्त, वे वेंडर्स भी इस सुविधा के पात्र होंगे जिन्होंने पूर्व में ही तृतीय किश्त का ऋण प्राप्त कर लिया है– उनका ऋण खाता वर्तमान में सक्रिय हो अथवा पूर्णतः जमा हो चुका हो। आवेदन की तिथि को आवेदक की आयु 21 से 65 वर्ष के मध्य होना अनिवार्य है। यह क्रेडिट कार्ड सुविधा तृतीय किश्त के ऋण के अतिरिक्त देय होगी, जिससे हितग्राही अपनी पात्रता एवं प्राथमिकता के आधार पर ऋण, क्रेडिट कार्ड अथवा दोनों सुविधाओं का संयुक्त लाभ प्राप्त कर सकेंगे। वित्तीय नियमों के अनुरूप, आवेदक का किसी भी वित्तीय संस्था में कोई निष्पादित परिसंपत्ति खाता नहीं होना चाहिए।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के मंदसौर जिला प्रभारी माजिद खान लाला आज आएंगे, दावेदारों से करेंगे चर्चा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की मंशा और राष्ट्रीय अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग व सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के आदेशानुसार वर्तमान में संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत विगत दिनों मध्य प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रभारी आबिद कागज़ी द्वारा मध्य प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महामंत्री माजिद खान लाला (उज्जैन) को मंदसौर जिले का नया संगठन प्रभारी नियुक्त किया गया है। अपनी इस नियुक्ति के बाद प्रथम आगमन पर जिला प्रभारी माजिद खान लाला दिनांक 14 जून, रविवार को सुबह 11 बजे जिला कांग्रेस कार्यालय, गांधी चौराहा, मंदसौर पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक लेने आ रहे हैं। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य मंदसौर जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों से सीधे संवाद करना, उनकी राय जानना तथा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, अल्पसंख्यक समाज के प्रतिनिधियों और समाजसेवियों से मिलकर संगठन की मजबूती के लिए आवश्यक फीडबैक लेना है। इस रणनीतिक बैठक को लेकर मंदसौर जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है। मंदसौर जिले के सभी अल्पसंख्यक वर्ग के साथी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और समाजसेवियों को इस महत्वपूर्ण बैठक के लिए सादर आमंत्रित किया गया है। संगठन की ओर से सभी सहयोगियों से अपील की गई है कि वे रविवार सुबह 11 बजे गांधी चौराहा स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर समय पर उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाएं और संगठन की मजबूती के लिए अपना अमूल्य मार्गदर्शन प्रदान करें।

कांग्रेस नेताओं की पत्रकार वार्ता : राजनैतिक षड़यंत्र कर मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त करवाया, यह अवैध, अनैतिक और अलोकतांत्रिक

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस कार्यालय पर शनिवार को पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस के पास राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के निर्वाचन के लिए स्पष्ट बहुमत था, फिर भी भाजपा ने कांग्रेस विधायकों को अपने पक्ष में कर लेने की आशा में तीसरा उम्मीदवार खड़ा किया। किंतु, कांग्रेस विधायकों की पार्टी के प्रति अडिग निष्ठा से विचलित होकर मिथ्या आधार पर आपत्ति प्रस्तुत कर नाम निर्देशन निरस्त करवा दिया। यह केवल एक उम्मीदवार के साथ अन्याय का मामला नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया, निष्पक्ष चुनाव और संवैधानिक मूल्यों पर गंभीर प्रहार है। निष्पक्ष चुनाव के प्रति अवैध हस्तक्षेप लोकतंत्र के लिए खतरा है। श्री गुर्जर ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन उज्जवल छवि गांधीवादी आचरण और सेवा के प्रति समर्पित नेता है। वह निर्वाचित होती तो मंदसौर संसदीय क्षेत्र के लिए भी एक गौरवशाली व हितकारी होता। पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा ने कहा कि इस घटनाक्रम से यह जाहिर हो रहा है कि भाजपा द्वारा लोकतंत्र पर जो प्रहार किया गया है इससे आगे आने वाले समय में और अधिक चुनौतियां सामने आएगी। कांग्रेस वैज्ञानिक एवं लोकतांत्रिक तरीके से प्रतिकार करेगी। पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल ने कहा कि भाजपा संविधान की मर्यादा का हनन कर रही है। पूरी व्यवस्था को अपने नियंत्रण में करना चाहती है। बिना आधार के बहुमत प्राप्त उम्मीदवार को चुनाव के बाहर करना अत्यंत गंभीर दूराचरण है। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया ने कहा कि जिस प्रकरण का तथ्य छिपाने का आरोप लगाया गया है, ऐसा कोई आपराधिक प्रकरण सुश्री मीनाक्षी नटराजन के विरुद्ध विचाराधीन नहीं है। उनके विरुद्ध न्यायालय ने न तो संज्ञान लिया है ना अपराध दर्ज किया है। यही नहीं संबंधित न्यायालय ने प्रकरण वापस कर दिया है नामांकन निरस्त करने का कोई वैधानिक आधार नहीं था। चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट ने भी नामांकन निरस्त की पुष्टि नहीं की है, बल्कि चुनाव याचिका की प्रक्रिया का अनुसरण करने का मत व्यक्त किया है। भाजपा अभी प्रक्रिया के बहाने निर्वाचन में बाधक बनने में सफल हो गई है। पूर्व विधायक पुष्पा भारतीय, कांग्रेस नेता परशुराम सिसोदिया, सोमील नाहटा, मनजीत टुटेजा, अजय लोढ़ा, इष्टा भाचावत, प्रवीण मांगरिया, सुनील बसेर आदि पत्रकार वार्ता में उपस्थित थे।

अनुगूंज राज्य स्तरीय कानूनी साक्षरता शिविर में श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियों की समस्याओं पर हुई सार्थक चर्चा

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशन तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री शेख सलीम के मार्गदर्शन में शनिवार 13 जून को जिला न्यायालय विदिशा के वी.सी. रूम में श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियों के लिए अनुगूंज राज्य स्तरीय कानूनी साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य दिव्यांगजनों को उनके कानूनी अधिकारों, उपलब्ध विधिक सहायता सेवाओं तथा शासन द्वारा संचालित सुविधाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री शेख सलीम, विशेष न्यायाधीश श्री जी.सी. शर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री नितेन्द्र सिंह तोमर, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के पदाधिकारी तथा अन्य न्यायिक एवं विधिक अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर का ऑनलाइन शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर से कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति उच्च न्यायालय जबलपुर श्री विवेक रूसिया तथा न्यायाधिपति श्री विशाल मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रदेशभर के जिलों में आयोजित कार्यक्रमों को वर्चुअल माध्यम से जोड़ा गया। कार्यक्रम के दौरान श्रवण एवं वाक् बाधित प्रतिभागियों को विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विकसित विशेष मोबाइल एप्लीकेशन की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि इस एप के माध्यम से दिव्यांगजन घर बैठे कानूनी सलाह प्राप्त कर सकते हैं, मध्यस्थता सेवाओं का लाभ ले सकते हैं तथा अपनी संकेत भाषा (साइन लैंग्वेज) के माध्यम से भी विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। यह पहल न्याय तक समान और सुगम पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शिविर में प्रतिभागियों को निःशुल्क विधिक सहायता, संवैधानिक अधिकारों, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। अधिकारियों ने बताया कि समाज के प्रत्येक वर्ग को न्याय प्राप्त करने का समान अधिकार है और विधिक सेवा प्राधिकरण इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

भादवामाता में चार करोड़ से अधिक लागत के विभिन्न पांच निर्माण कार्य प्रस्तावित

कलेक्टर ने किया भादवामाता में कार्यो का निरीक्षण, प्रगति का लिया जायजा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शनिवार को जिले के सुप्रसिद्ध धार्मिक आस्था के केंद्र, महामाया मां भादवामाता में आने वाले श्रृद्धालुओं की सुविधाओं के लिए संस्थान द्वारा करवाए जा रहे निर्माण कार्यो का कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मौके पर निरीक्षण कर कार्यो की प्रगति का जायजा लिया और कार्य तेजी से पूरा करवाने के निर्देश दिए।

चार करोड़ से अधिक की लागत के विभिन्न निर्माण कार्य प्रस्तावित- भादवामाता में लेंडस्केपिंग, विद्युतीकरण, दुकानों का निर्माण, महिला सुविधा घर का निर्माण होगा- मंदिर प्रांगण एवं आस्था भवन के रिक्त परिसर में कलेक्टर ने लैडस्केपिंग कार्य के लिए 91 लाख लागत, भादवामाता में श्रृद्धालुओं की सुविधा के लिए संस्थान की ओर से 2.20 करोड़ की लागत से व्यवसायिक दुकानों का निर्माण करवाने, भादवामाता मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरा एवं स्क्रीन की व्यवस्था करने, बस स्टेण्ड से मंदिर के मुख्य द्वार तक 31 लाख की लागत से 500 मीटर विद्युतीकरण कार्य एवं 27 लाख की लागत से नवीन महिला सुविधा घर एवं स्नानाघर निर्माण के प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति के लिए प्रस्तुत करने के निर्देश दिए एवं प्रस्ताव स्वीकृति की प्रत्याशा में उक्त कार्य अविलम्ब प्रारंभ करवाने के निर्देश भी दिए है।

कलेक्टर ने भादवामाता में पाथ वे निर्माण कार्य, नाला निर्माण कार्य का निरीक्षण कर कार्य तेजी से पूरा करवाने के निर्देश दिए। उन्होने नाला निर्माण कार्य के साथ नाले को कव्हर्ड करवाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने श्रृद्धा भवन के पास स्थिति सुविधा घर पर पानी की टंकी रखवाकर, सुविधा घर को तत्काल उपयोग में लाने के निर्देश दिए। उन्होने स्कूल भवन के पीछे बने सुविधा घर पर पानी की निकासी के लिए कटहई नाली निर्माण करवाने और सुलभ शौचालय का दीवार करहई करवाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए है। उन्होने पाटीदार धर्मशाला के समीप बने अनुपयोगी सार्वजनिक सुलभ शौचालय की आवश्यक मरम्मत करवाने का कार्य तत्काल प्रारंभ करवाने के निर्देश कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को दिए है। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत सचिव को भादवामाता के सम्पूर्ण परिसर व ग्राम पंचायत स्कूल परिसर दुकानों के परिसर और कोरीडोर, डोम आदि स्थानों पर विशेष टीम लगाकर पर्याप्त साफ सफाई करवाने के निर्देश भी दिए। उन्होने साफ-सफाई व्यवस्था उपयुक्त नहीं पाए जाने पर संस्थान द्वारा कार्यरत सफाई कामगारों एवं दरोगा के विरूद्ध कार्यवाही करने तथा प्रबंधक सहायक प्रबंधकों द्वारा साफ-सफाई कार्य की मॉनिटरिंग में ढिलाई बरतने पर उनके विरूद्ध भी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

इस निरीक्षण दौरन एसडीएम श्री पराग जैन, तहसीलदार सुश्री मृणालिनी तोमर व अन्य अधिकारी संस्थान के कर्मचारी उपस्थित थे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण-2026 की समीक्षा बैठक संपन्न

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय निर्वाचन के अंतर्गत वार्षिक मतदाता सूची पुनरीक्षण-2026 के कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा बैठक प्रेक्षक श्री अभय वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी।

निर्वाचन प्रेक्षक श्री अभय वर्मा ने जिले में मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को मतदाता सूची को पूर्णतः शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रेक्षक श्री वर्मा ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सफलता के लिए सटीक एवं विश्वसनीय मतदाता सूची अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल किए जाएं तथा अपात्र अथवा त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों को नियमानुसार संशोधित किया जाए। साथ ही सभी दावों एवं आपत्तियों का समयबद्ध और निष्पक्ष निराकरण सुनिश्चित करने पर भी बल दिया।अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे पुनरीक्षण कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की तथा प्रगति से अवगत कराया। बैठक के अंत में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने प्रेक्षक द्वारा दिए गए निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को समयसीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े सभी कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूर्ण किए जाएं ताकि आगामी स्थानीय निर्वाचन की तैयारियां सुचारू एवं पारदर्शी रूप से संपन्न हो सकें। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में संपन्न हुई इस बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर , जिला पंचायत सीईओ श्री ओ.पी. सनोडिया आदी।

जनकल्याण शिविरों ने जीता जनता का विश्वास, समस्याओं के त्वरित समाधान से लौट रहे संतुष्ट नागरिक

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेशव्यापी जनकल्याण अभियान के अंतर्गत विदिशा जिले में आयोजित किए जा रहे जनकल्याण शिविर आमजन के लिए राहत और भरोसे का केंद्र बनते जा रहे हैं। शासन की जनहितकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा नागरिकों की व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगाए जा रहे इन शिविरों में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं और मांगें लेकर पहुंच रहे हैं। समस्याओं के मौके पर समाधान और आवश्यक मार्गदर्शन मिलने से आवेदकों के चेहरे पर संतोष और प्रसन्नता स्पष्ट दिखाई दे रही है।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखंड मुख्यालयों पर जनपद पंचायत एवं नगरीय निकायों के संयुक्त तत्वावधान में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल स्थापित किए गए हैं, जहां अधिकारी एवं कर्मचारी स्वयं उपस्थित रहकर आमजन की समस्याओं को सुन रहे हैं तथा उनके निराकरण के लिए त्वरित कार्रवाई कर रहे हैं।

शिविरों में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, कृषि, शिक्षा, विद्युत, पेयजल सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। कई मामलों में मौके पर ही समाधान किया जा रहा है, जबकि अन्य मामलों में निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है।

जनकल्याण शिविरों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि नागरिकों को अपनी

सम्पादकीय

बिखर रही क्षेत्रीय दलों की राजनीति

बंगाल में सत्ता से दूर होते ही ममता बनर्जी का साथ छोड़ने की उनके सहयोगियों में होड़ लग गई है। चार मई को बंगाल विधानसभा चुनाव नतीजे आने से पहले अजेय समझी जाती रहीं ममता बनर्जी की पार्टी के लगभग 20 लोकसभा सदस्य बगावत करने के लिए तैयार हैं। उनके राज्यसभा सदस्य भी एक-एक कर पार्टी छोड़ रहे हैं। उनके 58 विधायक पहले ही बागी हो चुके हैं। चुनावी हार के बाद यह बिखराव कोई पहला नहीं है। तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों के बाद अन्नाद्रमुक को भी बिखराव का सामना करना पड़ रहा है।

हालांकि पार्टी नेता पलानीस्वामी हालात पर नियंत्रण पाने में कामयाब होते दिख रहे हैं। पार्टी ह्विप का उल्लंघन करके विधानसभा में मुख्यमंत्री विजय का साथ दे चुके 25 में से उनके 21 विधायक नेतृत्व के प्रति आस्था जता चुके हैं। इसके ठीक पहले अरविंद केजरीवाल के सबसे नजदीकी सहयोगी माने जाते रहे राघव चड्ढा की अगुआई में आम आदमी पार्टी के दस में से सात राज्यसभा सदस्यों ने अलग गुट बना लिया। महाराष्ट्र की दो प्रमुख पार्टियां शिवसेना और राकांपा भी ऐसे ही हालात से दो-चार हो चुकी हैं। दोनों ही पार्टियों के बागी अब असली पार्टी बन चुके हैं और पार्टी का अधिकृत चुनाव निशान भी उन्हीं के पास है। शिवसेना संस्थापक बाला साहब ठाकरे के बेटे उद्धव और राकांपा के संस्थापक शरद पवार के पास अपने-अपने दलों की सिर्फ बी टीमें रह गई हैं।

बिखराव वाले दलों में एक समानता है। सभी दल एक तरह से पारिवारिक पार्टी हैं। जब तक इन पार्टियों के साथ जनसमर्थन और सत्ता रही, इनके पारिवारिक मुखिया की हर बात स्वीकार्य रही, लेकिन सत्ता हाथ से जाते ही जिस तरह बिखराव बढ़ा है, उससे साफ है कि बागी दिल से दलीय अनुशासन या नेतृत्व के प्रति निष्ठा से नहीं बंधे थे। ममता बनर्जी के दल में जारी बड़ी बगावत के पीछे भाजपा का हाथ बताया जा रहा है, लेकिन इस आरोप के शोर में ममता के कार्यों और उनकी पार्टी चलाने की शैली को नहीं भुलाया जा सकता। पार्टी नेता मानते हैं कि ममता अधिनायकवादी ढंग से पार्टी चलाती रहीं। इसके खिलाफ उनकी पार्टी में असंतोष पहले से ही था। एक तरह से अंदर ही अंदर तूफान चल रहा था। अगर पार्टी सत्ता में लौट आई होती तो सरकारी ताकत की गोंद और नेताओं की कुछ पा लेने की उम्मीद के चलते यह तूफान थम जाता, लेकिन पार्टी चौथी बार सत्ता में नहीं लौट पाई। लिहाजा अंदर पनप रहा विद्रोह सतह पर आ गया।

इस आग में चुनावी हार के बाद हुई पहली बैठक में अभिषेक बनर्जी की मनमानी ने घी का काम किया। पार्टी के जीत की स्थिति में अभिषेक की बात मानने का फरमान स्वीकार हो जाता, लेकिन तृणमूल कार्यकर्ता अपनी हार के लिए अभिषेक की कार्यशैली को ही जिम्मेदार मानते हैं। लिहाजा उन्हें अभिषेक की सरपरस्ती मंजूर नहीं हुई। कार्यकर्ताओं को यह मलाल रहा कि तृणमूल बनाने वाले पिछड़ते गए और ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी ताकतवर होते गए। कुछ ऐसे ही हालात राकांपा में भी रहे। शरद पवार ने पार्टी की स्थापना की, उसमें उनका साथ उनके भतीजे अजीत पवार ने दिया। अजीत शरद पवार के स्वाभाविक उत्तराधिकारी माने जाते थे, लेकिन सुप्रिया सुले के आने के बाद उन्हें लगा कि जिस पार्टी को उन्होंने सींचा है, उसकी कमान उनके हाथ आने से रही तो उन्हें भी बगावत की राह सूझी। शिवसेना की स्थिति थोड़ी अलग रही।

शिवसेना की पूरी राजनीति कट्टर हिंदुत्व के इर्द-गिर्द रहते हुए कांग्रेस विरोध पर टिकी थी, लेकिन उद्धव ठाकरे ने जिद में भाजपा को नीचा दिखाने के लिए कांग्रेस का हाथ थाम लिया। शिवसेना के कार्यकर्ताओं के सामने वैचारिक संकट खड़ा हो गया। जैसे ही सत्ता शिवसेना के हाथ से फिसली, पार्टी दोफाड़ हो गई। रही बात आम आदमी पार्टी की तो आंदोलन से निकली इस पार्टी ने पहले वैचारिकता प्रतिबद्धता का आदर्शवादी माडल प्रस्तुत करने का दावा किया, लेकिन बाद में वहां एकाधिकारवाद बढ़ता गया। अन्नाद्रमुक में विद्रोह की बड़ी वजह सत्ता से बढ़ती दूरी से उपजी निराशा रही।

विपक्षी दलों में बिखराव का भाजपा को फायदा होगा, लेकिन इस तथ्य को भुलाया नहीं जा सकता कि लोकतांत्रिक राजनीति की बुनियाद में वैचारिक निष्ठा बेहद अहम है। दलों के अपने सिद्धांत इसी बुनियाद पर आधारित होते हैं और वे इसी आधार पर वोट मांगते हैं। हालांकि विचारधारा की राजनीति में गिरावट लंबे अर्से से दिख रही है, लेकिन अब यह चरम पर है। सत्ता जाते ही अपने दल से पीछा छुड़ाने और सत्ताधारी दल में शामिल होने की हिचक अब नहीं दिखती। हैरत की बात है कि उन्हें शामिल कराने वाला दल भी उनके पहले के अपशब्दों और निजी आक्षेपों को भुला देता है। निष्ठाएं बदलने के पीछे एक वजह चुनावी राजनीति का लगातार महंगा होता जाना भी है। अकूत संपत्ति के बिना आज के दौर में अपने दम पर चुनाव लड़ पाना आसान नहीं है। सामान्य पृष्ठभूमि के वही उम्मीदवार चुनावी मैदान में गंभीर चुनौती देने में कामयाब होते हैं, जिनका दल मजबूत होता है या फिर उनका राजनीतिक नेतृत्व उनका साथ देता है। चूंकि सत्ता की ही सवारी के जरिये ताकत और संपत्ति कमाई जा सकती है, इसलिए वैचारिक निष्ठाएं त्यागने में देर नहीं लगती।

सहजयोग : आत्मसाक्षात्कार से प्रेममय जीवन की ओर

आज का मनुष्य भौतिक उपलब्धियों और व्यक्तिगत स्वार्थों की दौड़ में इतना व्यस्त हो गया है कि उसके जीवन से सहज प्रेम, करुणा और आत्मीयता धीरे-धीरे कम होती जा रही है। जब जीवन केवल शरीर और अहंकार के स्तर पर जीया जाता है, तब व्यक्ति के भीतर असंतोष, प्रतिस्पर्धा और अलगाव की भावना बढ़ने लगती है। किंतु आत्मज्ञान की प्राप्ति होने पर मनुष्य यह अनुभव करता है कि उसका वास्तविक स्वरूप प्रेम है और प्रेम ही आत्मा का स्वाभाविक गुण है। सच्चा प्रेम किसी अपेक्षा, स्वार्थ या अधिकार भावना से बंधा नहीं होता। वह सबके प्रति समान रूप से प्रवाहित होता है। सभी संतों और महापुरुषों ने प्रेम को ही ईश्वर तक पहुँचने का सबसे सरल और प्रभावशाली मार्ग बताया है। परमात्मा के लिए बाहरी दिखावा, दान या आडंबर से अधिक महत्वपूर्ण हृदय की निर्मलता और प्रेमपूर्ण भावनाएँ हैं।

अक्सर सांसारिक संबंधों में हमारा प्रेम आसक्ति का रूप ले लेता है। हम अपने प्रियजनों को अपने विचारों और इच्छाओं के अनुसार चलाना चाहते हैं। जब वे हमारी अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरते, तब दुःख, क्रोध या निराशा उत्पन्न होती है। यही आसक्ति प्रेम की शुद्धता को प्रभावित करती है। परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने समझाया है कि मनुष्य को अपने आत्मगौरव में स्थित होकर सभी के प्रति संवेदनशील और करुणामय होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति असंतुलित या गलत दिशा में जा रहा हो, तो हमें स्वयं असंतुलित होने के बजाय उसे संतुलन की ओर ले जाने का प्रयास करना चाहिए। जब व्यक्ति अपने आत्मस्वरूप में स्थित होता है, तब उसके भीतर से घृणा, क्रोध, ईर्ष्या और प्रतिस्पर्धा जैसी नकारात्मक भावनाएँ स्वतः समाप्त होने लगती हैं।सहजयोग ध्यान के माध्यम से प्राप्त आत्मसाक्षात्कार व्यक्ति के भीतर इस निर्लिप्त प्रेम को जागृत करता है। यह प्रेम न केवल स्वयं के जीवन को आनंद और शांति से भर देता है, बल्कि परिवार, समाज और सम्पूर्ण मानवता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करता है। आत्मज्ञान के प्रकाश में व्यक्ति यह अनुभव करता है कि सम्पूर्ण सृष्टि एक ही परम चेतना से जुड़ी हुई है और सभी मनुष्य एक ही परमात्मा की संतान हैं। सहजयोग ध्यान के माध्यम से आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में शांति, संतुलन और निर्लिप्त प्रेम का अनुभव कर सकता है।

शहीद कहलाने लायक भी नहीं माने गए... सिर्फ नाविक थे न

कुछ मौतें केवल परिवारों को नहीं रुलातीं, वे राष्ट्र के विवेक को भी कठघरे में खड़ा कर देती हैं। जून 2026 में दुनिया फीफा विश्व कप की चमक-दमक और जीत-हार के रोमांच में डूबी है, लेकिन इसी बीच हार्मुज के निकट ओमान की खाड़ी ने तीन भारतीय नाविकों की अंतिम पुकार अपने भीतर समेट ली। पलाउ-ध्वजांकित टैंकर पर अमेरिकी मिसाइल हमले में विशाखापट्टनम के मुख्य अभियंता पटनाला सुरेश, डेक कैडेट आदित्य शर्मा और फिटर शिवानंद चौरसिया की मृत्यु केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस कठोर सच्चाई का प्रतीक है जिसे वैश्विक राजनीति अक्सर आंकड़ों और बयानों के नीचे दबा देती है। जिनके श्रम से दुनिया के कारखाने चलते हैं और जिनकी मेहनत से ऊर्जा के स्रोत देशों तक पहुँचते हैं, वही संकट की घड़ी में सबसे अधिक अकेले छोड़ दिए जाते हैं।

दुनिया की अर्थव्यवस्था की धड़कन अक्सर उन समुद्री मार्गों से गुजरती है, जिनके नाम अधिकांश लोग नहीं जानते। स्ट्रेट ऑफ हार्मुज ऐसा ही एक संकरा जलमार्ग है, जो केवल रास्ता नहीं बल्कि वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था की जीवनरेखा है। दुनिया के बड़े हिस्से तक तेल और गैस इसी से गुजरते हैं। भारत, जो तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, उसकी विकास यात्रा भी इसकी स्थिरता पर निर्भर है। इसलिए जब हार्मुज में तनाव बढ़ता है, तो केवल तेल के दाम नहीं, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की नब्ज अस्थिर हो जाती है। उद्योग, परिवहन, बाजार और घरेलू बजट–सब इसकी आंच झेलते हैं। लेकिन इन चर्चाओं के बीच एक सच अक्सर छूट जाता है– इन समुद्री मार्गों के असली आधार नाविक ही सबसे असुरक्षित और उपेक्षित कड़ी हैं।

इतिहास की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि सभ्यताओं को आगे बढ़ाने वाले लोग अक्सर इतिहास के पन्नों से बाहर रह जाते हैं। भारतीय नाविक भी इसी पीड़ा के हिस्सेदार हैं। वे सीमा पर तैनात सैनिक नहीं, न ही उनके कंधों पर सितारे हैं, फिर भी उनका योगदान किसी राष्ट्रीय सेवा से कम नहीं। महीनों समुद्र में रहना, परिवार से दूरी, अनिश्चित मौसम और जोखिमों के बीच भी वैश्विक व्यापार को गति देना उनका असाधारण समर्पण है। सैनिक के शहीद होने पर राष्ट्र खड़ा हो जाता है, लेकिन नाविक की मृत्यु अक्सर खबरों में खो जाती है। इसलिए सवाल और गहरा हो जाता है–क्या इन्हें केवल कर्मचारी मानना उचित है, या राष्ट्रीय हितों के वास्तविक संरक्षक के रूप में स्वीकार करना चाहिए?

समाचार चैनलों की बहसें अक्सर घटनाओं को शक्ति-संघर्ष की भाषा में बाँध देती हैं, जबकि केंद्र में इंसानी जीवन होता है। हार्मुज की यह त्रासदी भी इसी प्रवृत्ति का शिकार है–कहीं इसे अमेरिका-ईरान तनाव, तो कहीं भारत-अमेरिका संबंधों की कसौटी के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन इन विश्लेषणों में वह भारतीय युवक खो जाता है, जिसने रोजगार, सपनों और परिवार की उम्मीद में समुद्र का रास्ता चुना। भारत सरकार ने अमेरिकी राजनयिक को तलब कर विरोध दर्ज कराया है, पर क्या केवल विरोध पर्याप्त है? क्या नाविकों की सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा नहीं बनना चाहिए? जब तक उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती, ऊर्जा, आर्थिक और समुद्री सुरक्षा अधूरी रहेंगी।

एक सशक्त राष्ट्र की पहचान केवल उसकी सैन्य क्षमता से नहीं, बल्कि अपने नागरिकों के प्रति जिम्मेदारी से होती है। भारत को हर नाविक के लिए वास्तविक समय सुरक्षा नेटवर्क, संकट क्षेत्रों में निगरानी, मजबूत राजनयिक सहायता, बीमा और त्वरित बचाव व्यवस्था विकसित करनी होगी। नौसेना की भूमिका केवल डकैती रोकने तक सीमित नहीं, बल्कि जरूरत पर नागरिक सुरक्षा के लिए एस्कॉर्ट मिशन और सुरक्षित समुद्री गलियारों तक भी बढ़नी चाहिए। वैश्विक शक्ति बनने के लिए भारत को सॉफ्ट पावर के साथ प्रोटेक्टिव पावर भी विकसित करनी होगी, जो अपने नागरिकों को कहीं भी असुरक्षित न छोड़े।

यह समय विकास और मानवीय संवेदना के बीच गहरे विरोधाभास को समझने का अवसर देता है। एक ओर फीफा वर्ल्ड कप में जश्न है, दूसरी ओर भारत के कुछ परिवार शोक में डूबे हैं। स्टेडियमों में तालियाँ गूंज रही हैं, लेकिन समुद्र में खोए जीवनों की प्रतिध्वनि सुनने वाला कोई नहीं। एक ओर एआई, अंतरिक्ष अभियानों और खरबों की संपत्ति की चर्चा है, दूसरी ओर वे नाविक हैं जिनकी मृत्यु पर दुनिया औपचारिक संवेदना देकर आगे बढ़ जाती है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक भी है। यदि आधुनिक सभ्यता अपने श्रमजीवियों को सम्मान नहीं दे पाती, तो उसकी उपलब्धियाँ अधूरी और खोखली हैं।

भारत आज ऐसे दौर में है जहाँ भावनात्मक प्रतिक्रियाओं से अधिक रणनीतिक परिपक्वता आवश्यक है। वह न अमेरिका का अंधानुकरण कर सकता है, न ईरान या चीन से पूरी तरह जुड़ सकता है। उसकी वास्तविक शक्ति स्वतंत्र विदेश नीति, मजबूत अर्थव्यवस्था, युवा जनसंख्या और बहुआयामी वैश्विक संबंधों में निहित है। रूस से सस्ता तेल हो या पश्चिम से साझेदारी, भारत ने दिखाया है कि वह अपने हित में निर्णय लेने में सक्षम है। लेकिन अब इस स्वतंत्रता को समुद्री और ऊर्जा सुरक्षा की ठोस नीतियों में बदलना होगा। प्रोजेक्ट कुशा जैसी स्वदेशी रक्षा पहलों के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा को राष्ट्रीय रणनीति का केंद्रीय हिस्सा बनाना जरूरी है। समुद्र की यह त्रासदी मन को झकझोर देने वाला संदेश छोड़ जाती है, जिसे अनदेखा करना भविष्य के प्रति लापरवाही होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को अब समुद्री क्षेत्र में भी सशक्त रूप देना होगा। अधिक भारतीय ध्वज वाले जहाज, बेहतर प्रशिक्षण, नाविकों के अधिकारों की वैश्विक वकालत और सुरक्षित समुद्री ढांचा अब अनिवार्य हैं। हार्मुज की लहरों में खोया भारतीय जीवन केवल शोक नहीं, चेतावनी है। यह स्पष्ट करता है कि 21वीं सदी के संघर्ष सीमाओं से नहीं, ऊर्जा मार्गों और समुद्री रास्तों से तय हो रहे हैं। अब निर्णय हमारे हाथ में है–क्या हम इन नायकों को भूलेंगे, या उनकी शहादत को ऐसी नीति में बदलेंगे जो भारत को सुरक्षा, संतुलन और जिम्मेदारी की नई पहचान दे।

–प्रो. आरके जैन

युगप्रताप सिंह राठौरः इंदौर की मिट्टी से विश्व मंच तक

जब किसी शहर की मिट्टी से निकला एक युवा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगे का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना जाता है, तो वह केवल अपनी मंजिल नहीं पाता, बल्कि पूरे शहर के सपनों को नई उड़ान देता है। आज इंदौर के लिए ऐसा ही गौरवपूर्ण क्षण है, क्योंकि शहर के होनहार निशानेबाज युगप्रताप सिंह राठौर जर्मनी के सुहल में 15 से 25 जून 2026 तक आयोजित आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल एवं 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धाओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं। महज 19 वर्ष की आयु में यह उपलब्धि उनके असाधारण कौशल, अनुशासन और वर्षों की कठिन साधना का प्रमाण है। यह चयन केवल एक खिलाड़ी की सफलता नहीं, बल्कि इंदौर की खेल संस्कृति, मध्य प्रदेश की प्रतिभा और भारत के उभरते युवा सामर्थ्य की विश्व स्तर पर दमदार उपस्थिति का उद्घोष है।

युगप्रताप सिंह राठौर की यात्रा उन कहानियों में से है जो अखबारों की सुर्खियों से पहले पसीने की बूंदों में लिखी जाती हैं। यह सफलता किसी एक दिन की जीत नहीं, बल्कि हजारों घंटों के अभ्यास, आराम छोड़कर लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने और दबाव में भी स्थिर रहने का परिणाम है। शूटिंग रेंज में जब वे लक्ष्य के सामने खड़े होते हैं, तब वहाँ शोर नहीं होता–सिर्फ एकाग्रता का मौन होता है। 10 मीटर एयर पिस्टल में उनका हर शॉट केवल अंक नहीं जोड़ता, बल्कि यह साबित करता है कि स्थिर हाथों से पहले स्थिर मन की आवश्यकता होती है। उनकी निशानेबाजी में तकनीक से अधिक आत्मविश्वास और अभ्यास से अधिक आत्मनियंत्रण दिखाई देता है। जब युगप्रताप सिंह राठौर निशाना साधते हैं, तब उनकी उंगली केवल ट्रिगर नहीं दबाती; वह इंदौर के हजारों युवाओं की उम्मीदों, सपनों और आकांक्षाओं को भी लक्ष्य की ओर अग्रसर करती है। हर सटीक शॉट के पीछे अनगिनत घंटे की साधना, असफलताओं से सीखने का साहस और स्वयं को लगातार बेहतर बनाने की जिद छिपी होती है। उनकी उपलब्धि बताती है कि सफलता शॉर्टकट से नहीं, बल्कि निरंतरता, धैर्य और अथक मेहनत से हासिल होती है। वे केवल पदकों के दावेदार नहीं, बल्कि उस नई भारतीय युवा शक्ति के प्रतीक हैं जो सीमाओं को नहीं, संभावनाओं को देखती है।

आज जब सफलता को अक्सर त्वरित प्रसिद्धि से आंका जाने लगा है, तब युगप्रताप सिंह राठौर का सफर यह साबित करता है कि वास्तविक उपलब्धियां धैर्य, अनुशासन और निरंतर आत्म-साधना से ही जन्म लेती हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने वाले लाखों युवाओं के लिए वे इस विश्वास का नाम हैं कि दृढ़ संकल्प और समर्पण के सामने कोई लक्ष्य असंभव नहीं होता। जर्मनी की इस प्रतियोगिता में युगप्रताप सिंह राठौर केवल निशाना साधने नहीं उतरेंगे, बल्कि अपने साथ इंदौर की आकांक्षाएं, मध्य प्रदेश का आत्मविश्वास और भारत की युवा ऊर्जा लेकर विश्व मंच पर कदम रखेंगे।

–धनंजय राजौरा

विनम्रता, सहजता और संकल्प बड़ी सफलता के मार्ग

मनुष्य सदैव प्रयास करता है कि उसे लक्ष्य और सफलता जल्द से जल्द प्राप्त हो पर वस्तुतः ऐसा होता नहीं है, स्थाई सफलता के लिए कठोर श्रम, संकल्प, सहजता और विनम्रता सच्चे सन्मार्ग हैं। जल्दी का काम शैतान का होता है ऐसा कहावतें कहती है, लक्ष्य प्राप्ति के लिए जीवन में निरंतर श्रम सहजता सरलता और संघर्ष के साथ संयम का बड़ा योगदान होता है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है वह जीवन के हर सोपान में अपने आप को उत्तम स्थिति में रखना चाहता है। किंतु जीवन की सफलता मनुष्य के संघर्ष और उसके आचरण में अंतर्निहित विनम्रता पर भी निर्भर करती हैं। मनुष्य यदि सब कुछ प्राप्त करके भी वह विनम्र नहीं है तो उसका जीवन अधूरा है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और शास्त्रों का ज्ञाता था किंतु उसके जीवन में और उसके आचरण में विनम्रता ना होकर दंभ और अहंकार समाविष्ट था, अतः वह अपने अहम और विनम्रता विहीन जीवन के कारण प्रभु श्री राम के हाथों मारा गया। विनम्रता मनुष्य का वह गुण है जो मनुष्य के निजी जीवन में समाजीकरण की प्रक्रिया में उसके द्वारा आत्मसात किया जाता है। मनुष्य मूलतः अहंकारी, स्वार्थी, लालची तथा पद प्राप्त करने वाला लोभी रूप होता है। किंतु धीरे-धीरे वह सामाजिक परिवेश में अपने आसपास के ज्ञानी ,साधु एवं सच्चे सद्गुणी नागरिकों के संपर्क में आकर अपने लोभ तथा लालच की अहंकारी गतिविधियों में सुधार लाकर सहिष्णु, सौहार्द, करुणा, सहयोग आदि गुणों को अपने में समाहित कर विनम्रता के सद्गुण को ग्रहण कर लेता है।

विनम्रता सही मायने में सामाजिक अच्छाई की परिणति है। सद्गुण और विनम्रता महान लोगों के द्वारा ग्रहण किया हुआ वह अलंकार है जो उसे लोक तथा परलोक में सर्वमान्य रूप से स्थापित करता है। छोटा और तुच्छ व्यक्ति अपनी छोटी-छोटी गतिविधियों में रहकर अपने आप को सर्वशक्तिमान एवं सर्व ज्ञानी समझकर कुएं के मेंढक की तरह अधजल गगरी छलकत जावे की कहावत को सिद्ध करता है। महान तथा ज्ञानी व्यक्ति के व्यक्तित्व में विनम्रता झलकती है वह उसे प्रदर्शित करने से परहेज करते हैं क्योंकि विनम्रता उनके संपूर्ण व्यक्तित्व में समाहित होती है। विनम्रता किसी भी सज्जन व्यक्ति की जीवन की शैली होती है। महान और विनम्र व्यक्ति की प्रशंसा करने पर भी वे उसे स्वीकार न कर किसी दूसरे व्यक्ति को इसका श्रेय देते हैं। और अज्ञानी और छोटी सोच के कारण व्यक्ति अपने मियां मिट्ठू बनने से नहीं अघाते हैं। ज्ञानी व्यक्ति अपनी उपलब्धि को समाज की बेहतरी के लिए उपयोग में लाता है, ना कि उसे केवल अपने अथवा अपने करीबी या परिवार के लिए ही सीमित नहीं रखता है।

विनम्र व्यक्ति सदा ज्ञान तथा सद्गुणों की खोज में रहता है एवं उसके जीवन में नई-नई उपलब्धियां अपने आप आने लगती हैं । जिस तरह फलदार वृक्ष सदैव झुके हुए होते हैं उसी तरह विनम्र और ज्ञानी व्यक्ति भी बहुत अधिक विनम्र तथा देश समाज और राष्ट्र के प्रति निष्ठावान होता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कलाम राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर बने रहने के पश्चात भी विद्यार्थियों के साथ रहा करते थे जो उनको महानतम बनाता है और इसी महानता के लिए उन्हें भारत का सर्वोच्च भारत रत्न की उपाधि दी गई थी। ज्ञानी व्यक्ति केवल सूचनाओं का केंद्र ही नहीं होता बल्कि ज्ञान उसे विनम्र और सद्गुणी बनाता है, विनम्रता मनुष्य को उसके जीवन में अच्छे मार्ग में प्रशस्त होता है विनम्र व्यक्ति ही समाज में उचित स्थान तथा सम्मान का हकदार बनता है। विनम्रता से ही मनुष्य समाज के हर पहलू में उसका पात्र बनकर उसे ग्रहण करने का अधिकार रखता है। इसलिए विनम्र एवं ज्ञानी व्यक्ति समाज में सदैव सम्मानित एवं उच्च स्थान प्राप्त करने वाला व्यक्ति बन जाता है। विनम्र व्यक्ति में नेतृत्व गुण भी संभावित होता है क्योंकि ज्ञानी और विनय शील व्यक्ति को अपने नेतृत्व कर्ता के रूप में शहर से स्वीकार करती है। क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने विचारों को आमजन पर अधिरोपित नहीं करता बल्कि उनके विचारों को उनके सुझाओं को प्राप्त कर नए-नए समाधान भी निकलता है।

महात्मा गांधी जी ने सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता के लिए इसे अपना अस्त्र तथा शस्त्र बनाया था। सत्य और अहिंसा विनम्र व्यक्ति के दो अमोघ अस्त्र की तरह थे जो विनम्रता को और प्रभावशाली बनाते हैं। विनम्र व्यक्ति सदा संतोषी एवं परम सुखी होता है क्योंकि उसकी अपनी कोई महत्वाकांक्षा इच्छा, लोभ,जलन अथवा प्रतिस्पर्धा नहीं रहती है, वह अवगुणों से दूर रहकर अपने को परिमार्जित कर लेता है और समाज के विकास के लिए समर्पित भी रहता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में कहा जाता है कि जब वे ज्ञान की खोज में देशाटन कर रहे थे तब लोगों ने उन्हें अनेक प्रकार की यातनाएं दी पर महात्मा बुध ने बिना विचलित हुए अपनी खोज में लगे रहे और उनके अथक प्रयास ,विनम्रता और ज्ञान के दम पर महापरिनिर्वाण की स्थिति को प्राप्त किया। जिस तरह शक्ति को दबाया जा सकता है किंतु समाप्त नहीं किया जा सकता उसी प्रकार विनम्रता कुछ समय के लिए कमजोर प्रतीत हो सकती है अंततः उसकी अपनी क्षमता व्यापकता और पर्वत के समान कठोर तत्वों के कारण वह हर बाधा को पार कर मनुष्य को सफलता दिलाने में सक्षम होती है इसी विनम्रता और कठोर श्रम के चलते महात्मा गांधी ने ब्रिटिश सरकार की बाधा को नेस्तनाबूद कर दिया और भारतवासियों को अपनी विनम्रता से स्वाधीनता का स्वाद चखाया। यही बात हमारी भारतीय सनातन तथा वैदिक संस्कृति पर भी लागू होती है वह हजारों वर्ष से अब तक सुरक्षित बनी हुई है। विनम्रता व्यक्ति हो या संस्कृति उसे विनम्रता स्थायित्व प्रदान करती है एवं आने वाले मार्ग की बाधाओं को समाप्त कर देती है जैसा कि अहंकार का अस्थाई तथा क्षणभंगुर होता है, किसी भी राष्ट्र संस्कृति समाज के स्थायित्व के लिए उसका विनम्र तथा सहिष्णु होना आवश्यक है । इसीलिए यह माना जाता है कि मनुष्य, समाज ,देश के लिए विनम्रता सर्वश्रेष्ठ अवदान है।

–संजीव ठाकुर

कोकरोच पार्टी, टूलकिट और जेन-जी को भड़काने का षड्यंत्र – परदे के पीछे कौन?

आज का युग सूचना और संचार का युग है। इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने विचारों के आदान-प्रदान को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। एक समय था जब जनमत बनाने का काम अखबारों, पत्रिकाओं और टेलीविजन तक सीमित था, लेकिन अब एक साधारण मोबाइल फोन और इंटरनेट कनेक्शन के माध्यम से कोई भी व्यक्ति लाखों लोगों तक अपनी बात पहुँचा सकता है। इस परिवर्तन ने लोकतांत्रिक संवाद को नई शक्ति दी है, परंतु इसके साथ ही नई चुनौतियाँ भी उत्पन्न हुई हैं। इन्हीं चुनौतियों के बीच कुछ नए शब्द और अवधारणाएँ जन्म लेती हैं जो धीरे-धीरे सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बन जाती हैं। हाल के वर्षों में कोकरोच पार्टी ऐसा ही एक शब्द बनकर उभरा है, जिसने सोशल मीडिया की भाषा में अपनी जगह बना ली है।

यह शब्द किसी औपचारिक राजनीतिक दल का नाम नहीं है, बल्कि एक प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति के रूप में प्रयुक्त होता है। इसका उपयोग उन समूहों, अभियानों या ऑनलाइन गतिविधियों के लिए किया जाता है जो अचानक किसी मुद्दे को लेकर अत्यधिक शोर-शराबा पैदा करते दिखाई देते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली पोस्ट, मीम, वीडियो और ट्रेंडिंग हैशटैग अक्सर इस शब्द के साथ जोड़े जाते हैं। कई लोग इसे एक संगठित डिजिटल अभियान का हिस्सा मानते हैं, जबकि कुछ इसे केवल सामाजिक और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का स्वाभाविक परिणाम समझते हैं। यही कारण है कि इस विषय पर गंभीर चर्चा की आवश्यकता महसूस होती है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि सोशल मीडिया का कार्य करने का तरीका पारंपरिक मीडिया से भिन्न है। यहाँ किसी भी सामग्री की सफलता उसके तथ्यात्मक मूल्य से अधिक उसके भावनात्मक प्रभाव पर निर्भर करती है। यदि कोई पोस्ट लोगों को क्रोधित, भयभीत, उत्साहित या भावुक कर देती है तो उसके वायरल होने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि छोटे-छोटे मुद्दे कभी-कभी विशाल सार्वजनिक बहस का रूप ले लेते हैं। एल्गोरिद्म भी ऐसी सामग्री को बढ़ावा देते हैं जो अधिक प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न करती है। परिणामस्वरूप कई बार वास्तविक समस्याएँ पीछे छूट जाती हैं और भावनात्मक शोर प्रमुख स्थान ले लेता है।

मनोविज्ञान के विशेषज्ञ बताते हैं कि मनुष्य तथ्यों की तुलना में कथाओं से अधिक प्रभावित होता है। यदि किसी घटना को एक आकर्षक कहानी या नैरेटिव में प्रस्तुत कर दिया जाए तो लोग उसे आसानी से स्वीकार कर लेते हैं। डिजिटल अभियानों में इसी सिद्धांत का उपयोग किया जाता है। किसी छोटी घटना को व्यापक सामाजिक अन्याय, राजनीतिक षड्यंत्र या सांस्कृतिक संघर्ष के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इसके बाद लोग बिना गहराई से जाँच किए उस नैरेटिव के पक्ष या विपक्ष में खड़े हो जाते हैं। यही प्रक्रिया कई बार भीड़-मानसिकता को जन्म देती है।

इसी संदर्भ में टूलकिट शब्द चर्चा में आया। सामान्यतः टूलकिट किसी अभियान को संचालित करने के लिए तैयार की गई निर्देशिका होती है। इसमें सुझाए गए हैशटैग, पोस्ट के नमूने, प्रचार सामग्री, वीडियो लिंक, संपर्क सूत्र और कार्यक्रमों की जानकारी शामिल हो सकती है। यह कोई नई अवधारणा नहीं है। सामाजिक आंदोलनों, गैर-सरकारी संगठनों, राजनीतिक दलों और नागरिक अभियानों द्वारा लंबे समय से ऐसे दस्तावेज़ तैयार किए जाते रहे हैं। डिजिटल युग में इनकी पहुँच और प्रभाव दोनों बढ़ गए हैं।

समस्या तब उत्पन्न होती है जब किसी टूलकिट का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाने तक सीमित न रहकर लोगों की भावनाओं को भड़काना या समाज में ध्रुवीकरण बढ़ाना प्रतीत होता है। ऐसे मामलों में आरोप लगाए जाते हैं कि किसी विशेष समूह या शक्ति द्वारा संगठित रूप से जनमत को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हर टूलकिट को साजिश का दस्तावेज़ मान लेना उचित नहीं होगा। कई बार ये केवल अभियान प्रबंधन के सामान्य उपकरण होते हैं। इसलिए किसी भी दस्तावेज़ या अभियान का मूल्यांकन उसके उद्देश्य, सामग्री और प्रभाव के आधार पर किया जाना चाहिए।

जेन-जी अर्थात वर्तमान युवा पीढ़ी इस पूरे विमर्श के केंद्र में दिखाई देती है। यह पीढ़ी डिजिटल दुनिया में जन्मी और पली-बढ़ी है। इसकी सूचना प्राप्त करने की आदतें पिछली पीढ़ियों से अलग हैं। समाचार पत्र पढ़ने या लंबी बहस सुनने की बजाय यह छोटे वीडियो, मीम, रील और सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से जानकारी प्राप्त करती है। इस कारण यह नई सूचनाओं को तेजी से ग्रहण करती है, लेकिन कई बार उनकी सत्यता की जाँच करने का पर्याप्त समय नहीं लेती।

यही वजह है कि जेन-जी को किसी भी अभियान का सबसे प्रभावी लक्ष्य माना जाता है। यदि कोई संदेश युवाओं की भावनाओं, पहचान, भविष्य की चिंताओं या सामाजिक न्याय की भावना को संबोधित करता है तो वह बहुत तेजी से फैल सकता है। संवेदनशील चित्र, भावनात्मक वीडियो, प्रभावशाली संगीत और प्रेरक नारे युवाओं को आकर्षित करने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं। कई बार यह सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनते हैं, लेकिन कभी-कभी यही तकनीकें गलत सूचना और अतिवादी विचारों को भी लोकप्रिय बना देती हैं।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है कि क्या वास्तव में कोई संगठित षड्यंत्र युवा पीढ़ी को भड़काने के लिए कार्य कर रहा है? इस प्रश्न का उत्तर सरल नहीं है। इतिहास बताता है कि विभिन्न देशों में विदेशी शक्तियों, वैचारिक संगठनों और राजनीतिक समूहों ने जनमत को प्रभावित करने के प्रयास किए हैं। डिजिटल युग ने इन प्रयासों को आसान बना दिया है। नकली खातों, बॉट नेटवर्क, प्रायोजित सामग्री और समन्वित अभियानों के माध्यम से किसी भी विषय को कृत्रिम रूप से लोकप्रिय बनाया जा सकता है। यह एक वास्तविक चुनौती है जिसे पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता।

लेकिन दूसरी ओर हर सामाजिक असंतोष को विदेशी षड्यंत्र का परिणाम मान लेना भी गलत होगा। बेरोजगारी, आर्थिक असमानता, शिक्षा संबंधी समस्याएँ, प्रशासनिक विफलताएँ और सामाजिक अन्याय जैसे मुद्दे लोगों में स्वाभाविक असंतोष पैदा करते हैं। यदि इन समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता तो कोई भी अभियान या नैरेटिव आसानी से लोकप्रिय हो सकता है। इसलिए किसी आंदोलन या डिजिटल अभियान को समझने के लिए उसके सामाजिक और आर्थिक संदर्भ को भी देखना आवश्यक है।

विदेशी हस्तक्षेप और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बीच भी अंतर करना जरूरी है। वैश्विक दुनिया में विभिन्न देशों के संगठन, शोध संस्थान और नागरिक समूह एक-दूसरे से संवाद करते हैं। यह सहयोग लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का सामान्य हिस्सा हो सकता है। लेकिन यदि किसी अभियान की फंडिंग, रणनीति या संचालन में पारदर्शिता का अभाव हो तो संदेह उत्पन्न होना स्वाभाविक है। इसलिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता पारदर्शिता की है। जनता को यह जानने का अधिकार है कि किसी अभियान के पीछे कौन लोग हैं, उसका वित्तीय स्रोत क्या है और उसके घोषित उद्देश्य क्या हैं।

राजनीतिक विमर्श में अक्सर विभिन्न समूहों को लेबल देने की प्रवृत्ति भी देखी जाती है। लेफ्ट, लिबरल, राइट विंग, अर्बन नक्सल, राष्ट्रवादी या अन्य कई शब्द बहस का हिस्सा बन जाते हैं। समस्या तब उत्पन्न होती है जब इन लेबलों का उपयोग किसी व्यक्ति या समूह की बात को सुने बिना उसे खारिज करने के लिए किया जाने लगे। लोकतंत्र में विचारों की विविधता स्वाभाविक है। किसी भी असहमति को षड्यंत्र या देश-विरोध से जोड़ देना उतना ही खतरनाक है जितना वास्तविक खतरों को नज़रअंदाज़ करना।

ऐसी परिस्थितियों में नागरिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। सबसे प्रभावी रक्षा मीडिया साक्षरता है। लोगों को यह समझना होगा कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली हर जानकारी सत्य नहीं होती। किसी भी वायरल पोस्ट को साझा करने से पहले उसके स्रोत की जाँच करनी चाहिए। यदि कोई वीडियो, तस्वीर या दस्तावेज़ अत्यधिक भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न कर रहा हो तो उसकी सत्यता की पुष्टि करना और भी आवश्यक हो जाता है।

युवाओं को विशेष रूप से डिजिटल अनुसंधान के कौशल सिखाए जाने चाहिए। उन्हें यह समझाया जाना चाहिए कि सूचना के स्रोतों की तुलना कैसे की जाए, तथ्य-जाँच वेबसाइटों का उपयोग कैसे किया जाए और एल्गोरिद्म किस प्रकार उनके सामने चयनित सामग्री प्रस्तुत करते हैं। यदि जेन-जी इन कौशलों में दक्ष हो जाती है तो उसे किसी भी भ्रामक अभियान द्वारा आसानी से प्रभावित नहीं किया जा सकेगा।

– डॉ. प्रियंका सौरभ

रोटावेटर मशीन की चपेट में आया मासूम, हुई दर्दनाक मौत

दोस्त चला रहा था ट्रैक्टर, गिरते ही गर्दन टूटी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सलसलाई थाना क्षेत्रांर्तगत एक खेत में शुक्रवार शाम को दर्दनाक हादसा हुआ। जहां एक मासूम की ट्रेक्टर के पीछे लगी रोटावेटर मशीन में फंसने से जान चली गई। बताया जाता है कि हादसे के समय उसका दोस्त ट्रैक्टर चला रहा था। बच्चा ट्रैक्टर पर पीछे बैठा था, लेकिन अचानक संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गया और मशीन की चपेट में आ गया। मासूम 6 बहनों का इकलौता भाई था। हादसे के बाद गांव में मातम पसर गया।

घटना शुक्रवार शाम सलसलाई थाना क्षेत्र के हिदायतपुर-किलोदा मार्ग स्थित एक खेत में हुई। रामस्वरूप हिदायतपुर चौकी क्षेत्र का रहने वाला था। वह अपने दोस्त के साथ खेत पर पहुंचा था, जहां ट्रैक्टर और रोटावेटर से कृषि कार्य चल रहा था। इसी दौरान यह हादसा हो गया। घटना के बाद खेत में अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने डायल-112 और पुलिस को सूचना दी।

पीएम में देरी पर परिजनों ने जताई नाराजगी- परिजनों ने पोस्टमार्टम में हुई देरी को लेकर नाराजगी जताई। हादसे के बाद शुक्रवार शाम को ही बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोहन बड़ोदिया अस्पताल पहुंचा दिया गया था। परिजनों का आरोप है कि शनिवार सुबह करीब 9.30 बजे तक भी डाक्टरों की टीम अस्पताल नहीं पहुंची, जिसके कारण उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ा। परिवार के लोगों का कहना है कि घर में मातम का माहौल है और अंतिम संस्कार की तैयारियां भी रुकी हुई हैं। पोस्टमार्टम में देरी के कारण परिजनों को मानसिक पीड़ा के साथ-साथ अन्य परेशानियों का भी सामना करना पड़ा।

पिता के सामने बेटे ने तोड़ा दम, पूरे गांव में पसरा मातम- रामस्वरूप उर्फ अनमोल परिवार का इकलौता और सबसे छोटा बेटा था। उसकी छह बहनें हैं। हाल ही में वह नौवीं पास कर 10वीं में गया था। घटना के बाद माता-पिता समेत छहों बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता शिवनारायण का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बेटे को घर से खेत पर ले जाया गया था, जहां रोटावेटर चलाने के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मेरे सामने मेरा बेटा मर गया।

उसकी खोपड़ी तक खुल गई थी। उसे खेत पर ले जाने की क्या जरूरत थी? मजदूरी कराने के लिए उसे साथ ले जाया गया था। इस हादसे ने हमारे घर में अंधेरा कर दिया है। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी उन्हें गांव के सरपंच से मिली। जब वे मौके पर पहुंचे तो बेटे की हालत देखकर स्तब्ध रह गए। परिजनों ने मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं सलसलाई थाना प्रभारी जनक सिंह रावत ने बताया कि मामले में धारा 194 बीएनएस के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस हादसे के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

लंबे समय से फरार था स्थायी वारंटी, मोहन बड़ोदिया पुलिस ने किया गिरफ्तार

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को मोहन बड़ोदिया पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह सफलता पुलिस को मुखबिर की सूचना पर मिली। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

दरअसल पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत एसपी यशपालसिंह राजपूत, एएसपी घनश्याम मालवीय तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) शाजापुर अजय कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अरविन्द सिंह तोमर द्वारा स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु एक विशेष टीम गठित की गई थी। जिसे शनिवार को मुखबिर से आरोपी के बारे में सूचना मिली। इस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए थाना मोहन बड़ोदिया का लंबे समय से फरार स्थायी वारंटी सलीम खां पिता सत्तार खां, निवासी अलीसरखेड़ा, थाना सलसलाई को सारंगपुर बस स्टैंड से गिरफ्तार किया। आरोपी की गिरफ्तारी के पश्चात उसे पुलिससे ने न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में टीआई अरविन्दसिंह तोमर, प्रधान आरक्षक हेमेन्द्रसिंह जादौन, आरक्षक शैलेन्द्र शर्मा, आरक्षक राहुल जाट, आरक्षक राहुल कुम्भकार की सराहनीय भूमिका रही।

गेहूं की दवा का पाउच फाड़ते समय बालिका के अंदर गया जहरीला पदार्थ, मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के माकड़ोन थाना क्षेत्र के करेडी माताजी गांव में 15 वर्षीय बालिका तेजश्वनी की जहरीले पदार्थ के सेवन से मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब वह गेहूं में रखने वाली दवा का पाउच मुंह से फाड़ रही थी और उसमें मौजूद पदार्थ उसके मुंह के अंदर चला गया।

जानकारी के अनुसार करेडी माताजी निवासी तेजश्वनी पिता जगदीश नाथ (15) की तबियत जहरीला पदार्थ मुंह में जाने के बाद अचानक बिगड़ गई। परिजन उसे प्राथमिक उपचार के लिए शुक्रवार शाम शाजापुर जिला अस्पताल ले गए। बाद में उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शुक्रवार देर रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। शनिवार सुबह बालिका का शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। अस्पताल पुलिस चौकी पर पदस्थ प्रधान आरक्षक पदम सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मौत का कारण जहरीला पदार्थ सामने आया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि की जाएगी।

भाई ने जीवित बहन का किया पिंडदान और तर्पण

बेटी के दूसरे समाज के प्रेम विवाह करने से नाराज परिजनों ने उठाया कदम, बेटी की सामग्री को अवशेषों के रूप में बहाया

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कॉलेज में पढ़ने वाली मोहन बड़ोदिया क्षेत्र की एक युवती ने दूसरे समाज के युवक के साथ प्रेम विवाह कर लिया था। अपनी बेटी के इस फैसले परिजन इतने नाराज हुए कि उन्होंने उसे सामाजिक रूप से मृत मानते हुए उसका पिंडदान कर दिया। साथ ही उसकी सामग्री को अवशेषों के रूप में नदी में बहाकर उसका पिंडदान कर दिया।

शाजापुर जिले के मोहन बड़ोदिया क्षेत्र में प्रेम विवाह करने पर एक परिवार ने अपनी 19 साल की बेटी को सामाजिक रूप से मृत मान लिया। परिवार वालों ने गुस्से और नाराजगी में बेटी का जीते-जी तर्पण और पिंडदान कर दिया।

मोहन बड़ोदिया की रहने वाली 19 वर्षीय छात्रा कॉलेज में फर्स्ट इयर की छात्रा है, जो 2 जून को अचानक लापता हो गई थी। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी मोहन बड़ोदिया थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस की मदद से युवती का 6 जून को पता चला। जिसने दूसरे समाज के युवक के साथ विवाह कर लिया था। पुलिस जांच में लड़की बालिग निकली और उसने अपनी मर्जी से लड़के के साथ रहने की बात भी कही। जिसके चलते पुलिस ने दोनो को छोड़ दिया। युवती के इस कदम से उसका परिवार और समाज के लोग काफी नाराज थे। इसी नाराजगी के चलते परिवार ने सामाजिक रीति-रिवाजों का हवाला देते हुए बेटी से हमेशा के लिए नाता तोड़ने का फैसला कर लिया।

बहन के सामान को अवशेषों के रूप में नदी में बहाया- शुक्रवार को युवती के भाई ने बहन की तस्वीर के सामने बैठकर बकायदा तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान की रस्में पूरी कीं। इसके बाद पूजा की सामग्री और प्रतीकात्मक अवशेषों को चौमा में लखुंदर नदी में बहा दिया गया। आसपास के लोगों और परिजनों के अनुसार लड़की और लड़के के बीच पिछले एक-दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों आपस में लगातार बातचीत करते थे और कई बार मिल भी चुके थे, लेकिन परिवार को इस रिश्ते की भनक नहीं थी। परिजनों का कहना है कि उन्होंने समाज की मर्यादा को ध्यान में रखकर बेटी का जीते-जी श्राद्ध करने का यह कड़ा फैसला लिया है।

700 ग्राम डोडा चूरा के साथ एक आरोपी पकड़ाया

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की मक्सी थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत एक व्यक्ति को 700 ग्राम अवैध डोडा चूरा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। मामले का खुलासा पुलिस ने शनिवार दोपहर किया। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि मक्सी के शिव मंदिर के पीछे स्थित शिवधाम कालोनी क्षेत्र में एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ लेकर घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मंदसौर जिले के अफजलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रडमाखेड़ी निवासी सीताराम गायरी को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद प्लास्टिक के झोले से केसरिया रंग की पॉलीथिन बरामद हुई। पालीथिन में ग्रे रंग का पाउडरनुमा पदार्थ रखा था। जांच में यह डोडा चूरा निकला। पुलिस ने 700 ग्राम डोडा चूरा और झोला जब्त कर लिया।

27 वाँ वीरांगना बलिदान मेला 17-18 जून को

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। वीरांगना लक्ष्मीबाई के बलिदान की 168 वीं वर्षगाँठ पर उनकी समाधि के समक्ष दो दिवसीय वीरांगना बलिदान मेला 17 - 18 जून को आयोजित होगा । म. प्र. के उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा अमर शहीद सुखदेव के वंशज को क्रांतिवीर वंशज के रूप में सम्मानित करेंगे। 18 जून को अ. भा. कवि सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित कवियों को आमंत्रित किया गया है । वीरांगना बलिदान मेला के संस्थापक व म. प्र. राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री जयभान सिंह पवैया ने आज विभिन्न राष्ट्रवादी व सामाजिक संगठनों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ग्वालियर में वीरांगनाओं की पावन बलिदान भूमि पर यह 27 वाँ अखंड आयोजन होगा । उन्होंने कहा कि प्रमुख सम्मान समारोह 18 जून की साँय 7 बजे होगा, जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, शहीद भगत सिंह के साथी सुखदेव के वंशज को मेला की ओर से क्रांतिवीर परिजन सम्मान देंगे तथा सरहद के शहीदों के परिजन को सम्मानित करेंगे । श्री पवैया ने बैठक में बताया कि 18 जून की साँय 7 बजे से 200 पात्रों द्वारा अभिनीत महानाट्य ÷ खूब लड़ी मर्दानी ÷ का मंचन होगा । सम्मान समारोह के पश्चात अ. भा. कवि सम्मेलन में देश की विख्यात कवियत्री कविता तिवारी , जगदीश सोलंकी , लाफ्टर फैम प्रताप फौजदार , व्यंग्यकार प्रवीण शुक्ला , शंभु शिखर , गजेंद्र प्रियांशु , डॉ कमलेश शर्मा , अभय सिंह निर्भीक , अखिलेश द्विवेदी काव्य पाठ करेंगे । 17 जून को साँय 6.30 बजे झाँसी दुर्ग से शहीद ज्योति यात्रा पड़ाव पहुँचेगी। जहां से भव्य शोभा यात्रा समाधि तक आयेगी। स्वराज संस्थान की नारी क्रांतिकारी व नगर निगम द्वारा रानी के शस्त्रों की प्रदर्शनी का शुभारंभ होगा । 17 जून राणा प्रताप जयंती के अवसर पर बलिदान मेला मंच से साँय 7 बजे लघु नाटिका का प्रेरणादायी मंचन भी होगा । वीरांगना बलिदान मेला के भूमि पूजन 15 जून को साँय 6 बजे संतों के सानिध्य में संपन्न होगा । आज की बैठक में प्रमुख रूप से श्री शैलेंद्र बरुआ , श्री जयप्रकाश राजौरिया , पप्पू वर्मा , अभय चौधरी , लालजी जादौन आदी।

समझौता बैठक में हुए खूनी संघर्ष के पांच आरोपी गिरफ्तार

अपना मैरिज गार्डन में हुई थी मारपीट में घायल बुजुर्ग की हुई थी मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के अपना मैरिज गार्डन में पति-पत्नी का पारिवारिक विवाद सुलझाने के लिए बुलाई गई समझौता बैठक देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गई। इस मारपीट में गंभीर रूप से घायल हुए इंदौर निवासी 65 वर्षीय बुजुर्ग मकसूद खान की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। मामले में मारपीट कर बुजुर्ग की मौत के जिम्मेदार पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से सभी को जेल भेज दिया गया।

पुलिस जांच के मुताबिक इंदौर के खजराना क्षेत्र के रहने वाले तारीक खान की शादी करीब 5 साल पहले शाजापुर की आशिया खान से हुई थी। शादी के कुछ साल तो ठीक बीते, लेकिन पिछले 10 महीनों से दोनों के बीच अनबन शुरू हो गई और वे अलग रहने लगे। इसी पारिवारिक मतभेद को खत्म करने और दोनों के बीच समझौता कराने के लिए बीते 31 मई को शाजापुर के अपना मैरिज गार्डन में एक बैठक रखी गई थी। बैठक में दोनों पक्षों की तरफ से करीब 10-10 लोग शामिल हुए थे। मैरिज गार्डन में चल रही बैठक के दौरान शुरू में तो सामान्य बातचीत हुई, लेकिन कुछ ही देर में दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि लात-घूंसे चलने लगे। इसी हाथापाई के बीच लड़की पक्ष के लोगों ने लड़के पक्ष के बुजुर्ग मकसूद खान (65) को निशाना बना लिया और उनके साथ बेरहमी से मारपीट की जिससे मकसूद खान गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उन्हें तुरंत इलाज के लिए इंदौर ले गए, जहां अगले दिन उन्होंने दम तोड़ दिया। बुजुर्ग की मौत के बाद कोतवाली पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया था, जिसके बाद से ही आरोपी फरार थे। पुलिस ने मुखबिरों की सूचना पर छापेमारी कर पांचों आरोपियों को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों में अनस और जुनेद दोनों निवासी गिरवर रोड, शाजापुर, आदिल निवासी सीहोर, माजीद खान और उसका बेटा मुनाफ खान दोनों निवासी मंसूरी कालोनी, शाजापुर शामिल हैं। शनिवार को कानूनी कार्रवाई के बाद कोर्ट ने सभी को जेल भेज दिया है।

श्रवण एवं वाक् बाधित समुदाय की आवाज को मिली एक नई पहचान

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अनुगूंज पहल के अंतर्गत श्रवण एवं वाक् बाधित समुदाय के लिए जिला न्यायालय परिसर में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री संजीव कुमार अग्रवाल ने जिला स्तरीय शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने सभी संबंधितों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किये गये।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने कहा कि ÷अनुगूंज÷ श्रवण एवं वाक् बाधित समुदाय की आवाज को एक नई पहचान दिलाने की पहल है। इसके अंतर्गत प्रत्येक श्रवण एवं वाक बाधित व्यक्ति की आवाज को एक ऐसा मंच प्रदान किया जायेगा, जिसके माध्यम से उसकी समस्या एवं भावनाएं व्यक्त की जा सकें तथा उसकी समस्याओं का निराकरण भी संभव हो सकें। इसके लिए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संकेतवाणी एप बनाया गया है, जिसमें कोई भी श्रवण एवं वाक बाधित व्यक्ति संकेत भाषा में वीडियो बनाकर अपनी समस्या बता सकता है, जिसका अनुवाद कर उसकी समस्या को जानने एवं निराकरण का कार्य विधिक सेवा संस्थाओं द्वारा किया जायेगा। यह एक नई पहल है, जो श्रवण एवं वाक बाधित व्यक्तियों के लिए बहुत ही उपयोगी एवं लाभकारी है।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह द्वारा प्रतिभागियों से चर्चा की गई तहसील न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक संचालित विधिक सेवा संस्थाओं के बारे में सरल शब्दों में जानकारी दी। साथ ही प्रतिभागियों के प्रश्न जाने और निराकरण भी किया। कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री वैभव मण्डलोई, विशेष न्यायाधीश श्री हेमंत जोशी, जिला न्यायाधीश श्रीमती स्मृतासिंह ठाकुर, जिला न्यायाधीश श्री एम.के. वर्मा, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री अनिल पारे, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, श्रवण एवं वाक बाधित प्रतिभागीगण, स्वास्थ्य विभाग एवं डीआईसी की विशेष टीम, एनआईएमएचआर की टीम, सामाजिक न्याय विभाग की टीम, एनजीओ के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, पैनल एवं अन्य अधिवक्तागण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स, खण्डपीठ सदस्य, विभागों के अधिकारी, कर्मचारीगण, पैरालीगल वालेन्टियर्स आदि उपस्थित रहे।

आधुनिक कृषि की ओर बढ़ते कदम : एसएमएएम योजना से किसान जितेंद्र वर्मा की खेती हुई आसान

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि को आधुनिक और लाभकारी बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मेकेनाइजेशन (एसएमएएम) योजना किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों से जोड़ने के लिए शुरू की गई यह योजना खेतों में तकनीक के उपयोग को बढ़ावा दे रही है, जिससे किसानों का समय, श्रम और लागत तीनों की बचत हो रही है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश के अनेक किसानों को लाभ मिल रहा है।

सीहोर जिले के ग्राम बिजोरी निवासी किसान श्री जितेंद्र वर्मा भी ऐसे ही किसानों में शामिल हैं, जिनके जीवन में एसएमएएम योजना ने सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्हें इस योजना के अंतर्गत 50 प्रतिशत अनुदान (सब्सिडी) पर फोर स्ट्रोक पंप प्राप्त हुआ है। इस आधुनिक कृषि यंत्र ने उनकी खेती के कार्यों को पहले की तुलना में कहीं अधिक सरल और सुविधाजनक बना दिया है।

श्री जितेंद्र वर्मा बताते हैं कि पहले फसलों में कीटनाशक और दवाइयों का छिड़काव करने के लिए हाथ से चलने वाले पंप का उपयोग करना पड़ता था। इस कार्य में पूरा दिन लग जाता था और काफी मेहनत भी करनी पड़ती थी। कई बार समय पर छिड़काव नहीं होने से फसलों पर कीटों और बीमारियों का प्रभाव बढ़ जाता था। लेकिन अब फोर स्ट्रोक पंप मिलने के बाद वही काम बहुत कम समय में और कम मेहनत से पूरा हो जाता है। इससे न केवल श्रम की बचत हुई है, बल्कि फसल प्रबंधन भी अधिक प्रभावी हुआ है।

वे कहते हैं कि आधुनिक कृषि उपकरणों के उपयोग से खेती की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिल रही है और किसानों का आत्मविश्वास भी मजबूत हुआ है। सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे किसानों तक पहुंच रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। किसान श्री जितेंद्र वर्मा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों के कारण आज छोटे और मध्यम किसान भी आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग कर पा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित कृषि के विजन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के किसान कल्याण के संकल्प के साथ मध्यप्रदेश का किसान आधुनिक खेती की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मेकेनाइजेशन (एसएमएएम) केंद्र सरकार की योजना है, जिसे राज्यों के सहयोग से लागू किया जाता है। इस योजना का उद्देश्य किसानों को कृषि यंत्रों पर अनुदान उपलब्ध कराकर खेती को आधुनिक, लागत प्रभावी और अधिक लाभकारी बनाना है। योजना के माध्यम से कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा मिलने से किसानों की आय बढ़ाने और खेती को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण परिणाम सामने आ रहे हैं।

हादसे के बाद मौत से लड़ेगी खाकी, नीमच एसपी राजेश व्यास के जीवन संजीवनी अभियान में जवान सीख रहे CPR और जीवन बचाने के गुर

सड़क हादसों में अक्सर जख्मों से ज्यादा देरी जान लेती है, इसी देरी को मात देकर जिंदगियां बचाने के उद्देश्य से नीमच पुलिस ने शुरू किया जीवन संजीवनी अभियान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच में हर साल सड़क हादसे सैंकड़ो परिवारों की खुशियां छीन लेते हैं। कई बार दुर्घटना इतनी भयावह नहीं होती कि व्यक्ति की जान चली जाए, लेकिन समय पर मदद नहीं मिलने के कारण जिंदगी मौत की जंग हार जाती है। सड़क पर घायल पड़ा व्यक्ति उस वक्त किसी अधिकारी, किसी प्रक्रिया या किसी दस्तावेज का इंतजार नहीं कर रहा होता... वह इंतजार कर रहा होता है एक ऐसे हाथ का, जो उसे मौत के मुंह से खींचकर वापस जिंदगी की ओर ला सके।

इसी सोच के साथ नीमच पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने शुरू किया है जीवन संजीवनी अभियान, एक ऐसा अभियान जो सिर्फ प्रशिक्षण नहीं, बल्कि जिंदगी बचाने का संकल्प है।

3 साल में 1048 सड़क हादसे, 338 लोगों की मौत- जिले में वर्ष 2023 में 359 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 101 लोगों की मौत हुई।

वर्ष 2024 में 368 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 120 लोगों की जान गई।

वर्ष 2025 में 321 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 117 लोगों की मृत्यु हुई।

इन चिंताजनक आंकड़ों के बाद पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने स्वयं जिले के सड़क दुर्घटना स्थलों का अध्ययन कराया। नगर पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी जावद एवं मनासा, यातायात पुलिस और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ कई बैठकों के बाद जिले के 22 अति संवेदनशील सड़क दुर्घटना हॉटस्पॉट चिन्हित किए गए।

सोच बदलेगी, तो जिंदगी बचेगी- अक्सर दुर्घटना के बाद लोग मदद करने से हिचकिचाते हैं। कोई कानूनी झंझट के डर से पीछे हट जाता है तो कोई जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करता है। लेकिन जीवन संजीवनी अभियान यह संदेश देता है कि जब किसी की सांसें अटकी हों, तब सबसे पहली जिम्मेदारी उसकी जान बचाना है।

पुलिस जवान बनेंगे जीवन रक्षक- अभियान के तहत पुलिस जवानों को सीपीआर, प्राथमिक उपचार और दुर्घटना के बाद तत्काल राहत पहुंचाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही उनका परीक्षण भी लिया जा रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर वे केवल कानून के प्रहरी नहीं, बल्कि जीवन रक्षक बनकर सामने आएं।

क्यों महत्वपूर्ण है यह पहल- विशेषज्ञ बताते हैं कि दुर्घटना के बाद का पहला घंटा सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि इसी समय घायल व्यक्ति को सही सहायता मिल जाए तो उसकी जान बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि यह अभियान केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा और व्यावहारिक कदम माना जा रहा है।

कागजी कार्यवाही बाद में, जान पहले- जीवन संजीवनी अभियान का सबसे मजबूत संदेश यही है कि किसी घायल व्यक्ति की जिंदगी किसी भी प्रक्रिया से ज्यादा महत्वपूर्ण है। कागज बाद में भर जाएंगे, बयान बाद में दर्ज हो जाएंगे, लेकिन यदि समय निकल गया तो जिंदगी वापस नहीं आएगी।

मानवता का सबसे सुंदर चेहरा- जब कोई पुलिस जवान किसी घायल को सीपीआर देकर उसकी सांसें वापस लौटाने की कोशिश करता है, तब वह सिर्फ अपना कर्तव्य नहीं निभा रहा होता, बल्कि इंसानियत का सबसे सुंदर उदाहरण पेश कर रहा होता है। शायद उसकी कोशिश किसी मां की गोद सूनी होने से बचा दे... किसी बच्चे के सिर से पिता का साया उठने से रोक दे... किसी परिवार की दुनिया बिखरने से बचा ले।

जवासा-भावदमाता चौराहे पर आयोजित जीवन संजीवनी अभियान का पहला कार्यक्रम 12 जून 2026 को नीमच सिटी थाना क्षेत्र के जवासा-भावदमाता हॉटस्पॉट पर आयोजित किया गया। यहां डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम ने स्थानीय लोगों, पुलिस जवानों को सीपीआर एवं प्राथमिक उपचार का लाइव प्रशिक्षण दिया।

जीवन संजीवनी अभियान सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक संदेश है– हादसे के बाद भीड़ मत बनो... उम्मीद बनो। तमाशबीन मत बनो... जीवन रक्षक बनो। क्योंकि आपकी एक कोशिश, किसी की पूरी जिंदगी बचा सकती है।

श्री महावीर विद्यालय (आलोट) में नए क्रिकेट अभ्यास क्षेत्र का भव्य उद्घाटन; खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान श्री महावीर विद्यालय, आलोट में खेल गतिविधियों और छात्र-प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नवनिर्मित क्रिकेट अभ्यास क्षेत्र (पिच एवं नेट) का भव्य शुभारंभ किया गया। इस गरिमामयी समारोह में विद्यालय परिवार के साथ-साथ क्षेत्र के खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विकेट पूजन कर हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री सोलंकी जी एवं संस्था के प्राचार्य मनोज शर्मा द्वारा पिच पर विकेट का विधि-विधान से पूजन कर किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विकेट की स्थापना की गई और अभ्यास क्षेत्र को खिलाड़ियों के लिए समर्पित किया गया। इसके बाद अतिथियों ने पिच पर पहली गेंद खेलकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

खेलों से होता है सर्वांगीण विकास- अतिथि संदेश

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए श्री सोलंकी जी ने कहा- विद्यार्थियों के मानसिक विकास के साथ-साथ उनका शारीरिक से सुदृढ़ होना भी बेहद आवश्यक है। श्री महावीर विद्यालय ने अपने परिसर में यह बेहतरीन क्रिकेट सुविधा उपलब्ध कराकर बच्चों के भविष्य के लिए एक सराहनीय कदम उठाया है।

वहीं, प्राचार्य मनोज शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि अनुशासन और खेल भावना जीवन में सफलता की पहली सीढ़ी हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस मैदान से अभ्यास कर आने वाले समय में आलोट और पूरे क्षेत्र के खिलाड़ी राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे।

समस्त शिक्षक गण और स्टाफ रहा उपस्थित- इस गौरवपूर्ण क्षण के साक्षी बनने के लिए विद्यालय के समस्त शिक्षक और शिक्षिकाएं कार्यक्रम में मौजूद रहे। सभी शिक्षकों ने नए खेल सत्र और इस नई सुविधा के लिए खेल विभाग को बधाई दी। शिक्षकों का मानना है कि इस अभ्यास क्षेत्र के शुरू होने से अब विद्यार्थियों को क्रिकेट की बारीकियां (बैटिंग, बॉलिंग और कैचिंग) सीखने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

खिलाड़ियों और छात्रों में भारी उत्साह- उद्घाटन के बाद विद्यालय के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों ने मैदान पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अपनी ही संस्था में ऐसी आधुनिक खेल सुविधा मिलने से छात्रों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम के समापन पर सभी अतिथियों, शिक्षक गणों और विद्यार्थियों को मिठाई वितरित कर इस खुशी को साझा किया गया। खेल विभाग द्वारा अंत में सभी का आभार व्यक्त किया गया।

गेहलोत के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर खाटू श्याम सेना ट्रस्ट ने किया स्वागत

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया समाजसेवी श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट शाजापुर जिला अध्यक्ष सेवा निवृत्त शिक्षक डॉ सुशील कुमार गेहलोत को प्रोग्रेसिव पेंशनर एसोसिएशन के अकोदिया ब्लाक कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल के प्रतिष्ठान पर स्वागत समारोह आयोजित कर ट्रस्ट की ओर से बाबा श्याम का दुपट्टा पहनाकर पुष्प हार से स्वागत किया गया प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल ने कहा कि डॉ गेहलोत हमेशा ही सेवा भावना से कार्य करते हैं उसी का परिणाम है कि संगठन के वरिष्ठ जनों द्वारा आपको इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सोपी गई आपने संगठन के वरिष्ठ जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए डॉ गेहलोत को बधाईयां दी है अवसर पर श्याम प्रेमी तरुण कुशवाह रमेश थानेरा सहित श्याम प्रेमी उपस्थित रहे जानकारी लगते ही नगर अकोदिया के खाटू श्याम सेना ट्रस्ट इकाई द्वारा डॉक्टर सुशील कुमार गहलोत को जिला अध्यक्ष मनोनीत होने पर आतिशबाजी कर खुशी जाहिर करते हुए ऐतिहासिक स्वागत किया।

अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध प्रशासन की सख्त कार्रवाई जारी

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार आज शनिवार को गोरखपुर अनुविभाग के अंतर्गत ग्राम दलपतपुर स्थित एक अवैध कॉलोनी में निर्मित सड़क, नाली एवं अन्य अवैध संरचनाओं को जिला प्रशासन द्वारा हटाने की कार्रवाई की गई। संबंधित कॉलोनाइजर श्री गुरूजी कंस्ट्रक्शन को पूर्व में विधिवत नोटिस जारी कर अवैध रूप से निर्मित संरचनाओं को स्वयं हटाने का अवसर प्रदान किया गया था।निर्धारित अवधि में आदेश का पालन नहीं किए जाने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोरखपुर अनुराग सिंह के आदेश पर तहसीलदार गोरखपुर, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, अतिरिक्त तहसीलदार गोरखपुर, थाना प्रभारी भेड़ाघाट, नगर निगम की टीम एवं राजस्व अमले की उपस्थिति में जेसीबी एवं अन्य संसाधनों की सहायता से यह कार्रवाई संपादित की गई।

अनुविभागीय राजस्व अधिकारी गोरखपुर ने स्पष्ट किया है कि अनुविभाग क्षेत्र में विकसित की जा रही समस्त अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध इसी प्रकार कठोर कार्रवाई की जाएगी। अवैध रूप से निर्मित सड़क, नाली, सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर किए गए अतिक्रमण एवं अन्य संरचनाओं को उनकी मूल स्थिति में वापस लाने हेतु नियमानुसार हटाया जाएगा।

साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि अवैध कॉलोनी विकसित करने वाले कॉलोनाइजरों के विरुद्ध सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष वैधानिक कार्रवाई हेतु प्रकरण प्रस्तुत किए जाएंगे।

सिद्धाचल तीर्थ पर चोविहार छठ सहित सात यात्रा एवं नव्वाणु यात्रा पूर्ण करने पर अक्षत ओरा का भव्य बहुमान

नवकार हैप्पी बर्थडे ग्रुप ने किया सम्मान, संगीतमय वातावरण में हुआ अभिनंदन समारोह

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। परम पूज्य दादा आदिनाथ भगवान की असीम कृपा एवं आशीर्वाद से राकेश अंतिमा ओरा के सुपुत्र अक्षत ओरा ने सिद्धाचल तीर्थ की पावन भूमि पर चोविहार छठ के साथ सात यात्राएँ सफलतापूर्वक पूर्ण करने के साथ-साथ नव्वाणु (99) यात्राओं का पुण्य लक्ष्य भी पूर्ण किया। यह उपलब्धि न केवल अक्षत ओरा एवं उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए हर्ष, गौरव एवं प्रेरणा का विषय है।

धर्म, तप, संयम और अटूट श्रद्धा के इस अनुपम उदाहरण ने युवा पीढ़ी के समक्ष एक प्रेरणादायी आदर्श प्रस्तुत किया है। सिद्धाचल तीर्थ पर की जाने वाली यात्राएँ आत्मकल्याण, आध्यात्मिक उन्नति एवं पुण्य संचय का महत्वपूर्ण माध्यम मानी जाती हैं। चोविहार छठ के साथ सात यात्राएँ एवं नव्वाणु यात्रा पूर्ण कर अक्षत ओरा ने अपने दृढ़ संकल्प, भक्ति और साधना का उत्कृष्ट परिचय दिया है।

इस पावन उपलब्धि के उपलक्ष्य में ओरा परिवार द्वारा विशेष बहुमान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संघ, समाज एवं परिवारजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। वहीं *नवकार हैप्पी बर्थडे ग्रुप परिवार द्वारा भी 13 जून 2026 को अक्षत ओरा का विशेष सम्मान किया गया।

सम्मान समारोह के दौरान अक्षत ओरा का *शाल, माला, राजस्थानी पगड़ी एवं अभिनंदन-पत्र भेंट कर बहुमान किया गया। अभिनंदन पत्र का वाचन धर्मेन्द्र बंम ने किया ।उपस्थित महानुभावों ने उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए मंगलमय भविष्य की कामना की। समारोह संपूर्ण रूप से संगीतमय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में वधावणा प्रस्तुत की गई तथा दादा-दादी का पग पक्षाल कर सम्मान भी किया गया, जिससे आयोजन और अधिक भावपूर्ण एवं आध्यात्मिक बन गया।

कार्यक्रम का संचालन विपिन वागरेचा एव आयूष बोहरा ने किया - इस अवसर पर राजेश सकलेचा, मनीष चपलोत, अमित बम, प्रकाश चपलोत, धर्मेन्द्र बम, रवि संघवी, संतोष नाहटा,शरद जैन,रवि कांठेड, संदीप कांठेड, संध्या संघवी, विभा बम, शर्मीला बंम, रेखा नाहटा सहित समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

अंत में सभी उपस्थित महानुभावों ने अक्षत ओरा की इस धार्मिक उपलब्धि की सराहना करते हुए इसे समाज के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बताया।

भारत ज्ञान मंडपम मिशन के अंतर्गत सुसनेर के दिगम्बर जैन मंदिर में संरक्षित पाण्डुलिपियों का किया गया सर्वे

सुसनेर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव के मार्गदर्शन एवं नोडल अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी सौरभ जैन के नेतृत्व में जिले में भारत ज्ञान मंडपम मिशन के अंतर्गत प्राचीन ज्ञान एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं डिजिटलीकरण हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में आगर-मालवा जिले के सुसनेर स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में संग्रहित लगभग 30 प्राचीन पाण्डुलिपियों का सर्वे कर उन्हें चिन्हांकित किया गया। इन पाण्डुलिपियों के डिजिटलीकरण एवं ऑनलाइन अपलोड की प्रक्रिया के लिए शीघ्र ही प्रदेश स्तरीय विशेषज्ञ टीम द्वारा कार्य किया जाएगा।
इस महत्वपूर्ण कार्य में मंदिर समिति एवं मंदिर प्रबंधन का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। साथ ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुसनेर श्री मुकेश तिवारी, प्राचार्य श्री जितेंद्र शर्मा एवं अन्य शिक्षकों ने सर्वे कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
भारत ज्ञान मंडपम मिशन के माध्यम से जिले की अमूल्य साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

हितार्थ सहायक राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन रविवार को स्नेह में

चार राज्यों के दिव्यन्नाग जन आयुक्त होंगे शामिल

श्री वी.जे. राजपूत (IAS) — दिव्यांगजन राज्य आयुक्त, गुजरात
श्री प्रो. हिमांशु शेखर झा — दिव्यांगजन राज्य आयुक्त, उत्तरप्रदेश
डॉ.अजय खेमरिया — दिव्यांगजन राज्य आयुक्त, मध्यप्रदेश
श्री टोंगपांग एल.जमीर — दिव्यांगजन राज्य आयुक्त, नागालैंड

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिव्यांगजनों के स्वास्थ्य, पुनर्वास एवं सामाजिक सशक्तिकरण को समर्पित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम हितार्थ सहायक्म राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन दिनांक 14 जून 2026 को स्नेह नागदा के सभागार में किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन अभिवाको के संगठनो के महासंघ परिवार, अमेरिका की संस्था वोईस ऑफ़ स्पेशल एबल्ड पीपल के सहयोग से लायंस ऑफ़ नागदा की स्थाई परियोजना स्नेह द्वारा किया जा रहा है ।

परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं स्नेह नागदा के संस्थापक डॉ. पंकज मारु ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य देशभर में कार्यरत हितार्थ सहायकों को एक मंच प्रदान करना, बौद्धिक एवं बहु-दिव्यांग व्यक्तियों के लिए संचालित निरामया स्वास्थ्य बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच तथा पुनर्वास सेवाओं को सुदृढ़ बनाने हेतु अनुभवों एवं सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान करना है।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में देश के विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं विशेषज्ञों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इस अवसर पर श्री वी. जे. राजपूत, IAS, राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन गुजरात , प्रो. हिमांशु शेखर झा, राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन उत्तरप्रदेश, डॉ. अजय खेमरिया, राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन मध्यप्रदेश एवं श्री टोंगपांग एल. जमीर, राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन नागालैंड विशिष्ट अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करेंगे।

सम्मेलन का मुख्य उद्बोधन वोईस ऑफ़ स्पेशल एबल्ड पीपल के संस्थापक श्री प्रणव देसाई द्वारा वर्चुअल माध्यम से दिया जाएगा। सम्मेलन में हितार्थ योजना की उपलब्धियों, निरामया बीमा योजना के प्रभावी संचालन, दावा निपटान प्रक्रिया, सामुदायिक सहभागिता एवं भविष्य की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

उल्लेखनीय है वर्तमान में इस अभियान के माध्यम से देशभर में 150 से अधिक हितार्थ सहायक कार्यरत हैं, जिन्होंने हजारों दिव्यांगजनों को निरामया योजना से जोड़ने तथा करोड़ों रुपये के स्वास्थ्य दावों के निपटान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सम्मेलन के समापन अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले हितार्थ सहायकों का सम्मान किया जाएगा तथा भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश ने स्थापित किए विकास के नए आयाम- लोक निर्माण मंत्री

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य में आज पश्चिम विधानसभा के रामलीला मैदान में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के 12 साल विश्वास के, विकास के और जनकल्याण के उपलक्ष्य में आयोजित वरिष्ठ जन सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने देश के विकास और सुशासन को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की सराहना की। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि भारत की आजादी के बाद से अब तक कई प्रधानमंत्री बने, लेकिन नरेंद्र मोदी ऐसे पहले जनप्रतिनिधि हैं, जिन्होंने जनता के प्रत्यक्ष जनादेश के आधार पर लगातार लंबे समय तक देश का नेतृत्व करते हुए सुशासन और विकास का नया अध्याय लिखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पद को केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा और जिम्मेदारी का दायित्व मानकर कार्य किया है और यही कारण है कि उनके नेतृत्व में देश ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। मंत्री श्री सिंह ने आर्थिक मोर्चे पर देश की प्रगति का विवरण देते हुए कहा कि वर्ष 2014 में जब श्री नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली थी।

कलेक्टर श्री वर्मा ने किया अनुसूचित जाति कन्या पोस्ट मैट्रिक छात्रावास का निरीक्षण

शिवपुरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कर्तव्यों में लापरवाही पर अधीक्षिका को हटायाकलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने शनिवार को शासकीय अनुसूचित जाति कन्या पोस्ट मैट्रिक छात्रावास का निरीक्षण कर छात्राओं से चर्चा की तथा छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं को पूरी लगन और अनुशासन के साथ पढ़ाई करके आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।अधिकारियों को दिए निर्देशकलेक्टर श्री वर्मा ने छात्राओं द्वारा जनसुनवाई में प्रस्तुत शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल निरीक्षण करके जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया है कि छात्रावासों एवं शैक्षणिक संस्थानों में किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होना चाहिए। छात्र-छात्राओं की सुविधाओं से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।तत्काल कराया व्यवस्थाओं में सुधारछात्राओं द्वारा जनसुनवाई में पहुंचकर छात्रावास में व्याप्त अव्यवस्थाओं की शिकायत की गई थी। कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देश पर जांच दल ने छात्रावास का निरीक्षण किया।

विभागीय क्षमता विकास योजना अंतर्गत आईगोट कर्मयोगी प्रशिक्षण सम्पन्न

सुसनेर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विभागीय क्षमता विकास योजना के अंतर्गत आईगोट कर्मयोगी प्रशिक्षण का आयोजन शनिवार को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सुसनेर में किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में संकुल क्षेत्र के सभी संस्था प्रधानों सहित कुल 49 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर संतोष जादमें एवं राजकुमार सोलंकी द्वारा आईगोट कर्मयोगी पोर्टल के विभिन्न कोर्सों, उनके महत्व एवं लाभों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही प्रतिभागियों को आईगोट एप पर पंजीयन एवं लॉगिन की प्रक्रिया इंटरएक्टिव पैनल के माध्यम से समझाई गई।

मास्टर ट्रेनरों ने बताया कि भारत सरकार द्वारा संचालित आईगोट कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर विभिन्न शासकीय विभागों के लोकसेवकों की कार्यक्षमता एवं कौशल विकास के लिए 2400 से अधिक ऑनलाइन पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। मध्यप्रदेश शासन द्वारा भी सभी शासकीय कर्मचारियों को इस प्रशिक्षण से जोड़ा जा रहा है। प्रत्येक कर्मचारी को वर्ष में न्यूनतम 15 घंटे का प्रशिक्षण पूर्ण करना होगा तथा प्रति माह चार कोर्स पूरे करने होंगे, जिनमें एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषयक कोर्स करना अनिवार्य है। इन प्रशिक्षणों का विवरण सेवा पुस्तिका में भी दर्ज किया जाएगा।

आगर से आए जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ. दशरथ मसानिया ने बताया कि जिले के सभी 17 संकुलों में कुल 2502 शिक्षक एवं अन्य शैक्षणिक स्टाफ को आईगोट कर्मयोगी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी मुकेश तिवारी, संकुल प्राचार्य प्रतिनिधि इरफान खान, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक राधेश्याम पाटीदार, विकासखंड अकादमिक समन्वयक संतोष भेनीया, जन शिक्षक शिवलाल ओसारा, कमलेश जैन एवं गोकुल चौहान सहित संकुल अंतर्गत संचालित सभी शालाओं के शिक्षक उपस्थित रहे।

जनकल्याण शिविरों में आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण

शिवपुरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने एवं आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से जिले में आयोजित जनकल्याण शिविरों में नागरिकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिल रही है। शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी नागरिकों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं एवं आवेदन प्रस्तुत किए, जिनमें से अनेक प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया।

विभिन्न विभागों ने प्रदान की योजनाओं की जानकारीकलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार आयोजित शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा शिकायतें एवं आवेदन प्राप्त कर उनका त्वरित निराकरण किया गया। साथ ही शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने की कार्रवाई भी की गई।शनिवार को जनपद पंचायत बदरवास, नगर परिषद बदरवास, नगर परिषद रन्नौद, जनपद पंचायत खनियाधाना, नगर परिषद खनियाधाना, जनपद पंचायत करैरा, नगर परिषद करैरा एवं नगर परिषद बैराड़ में जनकल्याण शिविर आयोजित किए गए। करैरा में आयोजित शिविर का निरीक्षण विधायक श्री रमेश प्रसाद खटीक द्वारा किया गया तथा हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए।

इकोक्लब द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय किला भवन इंदौर में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन में इकोक्लब प्रभारी डॉ. पूजा जैन द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. देवेन्द्र मिश्रा, सहायक प्राध्यापक प्राणीशास्त्र, शासकीय होलकर साइंस कॉलेज इंदौर रहे।

डॉ. मिश्रा ने छात्राओं को पर्यावरण एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने अपने व्याख्यान में पर्यावरण संरक्षण के महत्व को बताते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों (जैसे वायु, जल, मिट्टी, वन और जीव-जंतुओं) को प्रदूषण से बचाना और उनका संतुलित उपयोग करना ताकि पारिस्थितिकी तंत्र सुरक्षित रहे। यह मानव अस्तित्व और भविष्य की पीढ़ियों के लिए बेहद आवश्यक है । हम अपने दैनिक जीवन में कुछ छोटे- छोटे बदलाव करके पर्यावरण की रक्षा में योगदान दे सकते हैं ।

वन अमले पर हमले के 48 घंटे बाद भी कार्रवाई नहीं, जब्त वाहन का हिस्सा अब तक गायब

सुसनेर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश में वन संपदा की सुरक्षा को चुनौती देने वाले वन माफिया के हौसले लगातार बुलंद होते दिखाई दे रहे हैं। क्षेत्र में अवैध लकड़ी परिवहन के खिलाफ कार्रवाई के दौरान वन विभाग के अमले पर हुए हमले को 48 घंटे से अधिक समय बीत चुका है। लेकिन अब तक मामले में पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज नहीं किए जाने से प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होने लगे हैं। वहीं दूसरी ओर कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए वाहन का मुख्य हिस्सा भी अब तक बरामद नहीं हो सका है। जानकारी के अनुसार वन विभाग की टीम ने क्षेत्र में अवैध रूप से परिवहन की जा रही लकड़ी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोका था। कार्रवाई के दौरान विवाद की स्थिति निर्मित हो गई और आरोपियों ने वन अमले का विरोध करते हुए हंगामा खड़ा कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपियों ने जब्त सामग्री को छुड़ाने के लिए आक्रामक रवैया अपनाया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जब्त वाहन का हिस्सा लेकर फरार हुए आरोपी- घटना का सबसे गंभीर पहलू यह रहा कि आरोपियों ने वन विभाग की कार्रवाई को चुनौती देते हुए जब्त वाहन का मुख्य हिस्सा अपने कब्जे में लेकर मौके से फरार हो गए। घटना के दो दिन बाद भी संबंधित वाहन का हिस्सा बरामद नहीं हो सका है। इससे न केवल वन विभाग की कार्रवाई प्रभावित हुई है, बल्कि आरोपियों के हौसले भी उजागर हुए हैं।

खुले में पड़ी रही जब्त लकड़ी- घटना के बाद जब्त की गई लकड़ी का कुछ हिस्सा अब भी घटना स्थल के आसपास पड़ा हुआ बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी बड़ी कार्रवाई और विवाद के बाद भी लकड़ी को पूरी तरह सुरक्षित स्थान तक नहीं पहुंचाया जा सका है। इससे उसकी सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का मानना है कि यदि समय रहते उचित व्यवस्था नहीं की गई तो सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी रह सकती है।

आवेदन के बाद भी दर्ज नहीं हुई एफआईआर- वन विभाग द्वारा घटना के संबंध में थाना पुलिस को लिखित आवेदन सौंपकर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने, मारपीट तथा अन्य गंभीर बिंदुओं पर कार्रवाई की मांग की गई है। इसके बावजूद समाचार लिखे जाने तक एफआईआर दर्ज नहीं होने की जानकारी सामने आई है। इससे क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है और लोग मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

पहले भी सामने आ चुके हैं ऐसे मामले- क्षेत्र में अवैध लकड़ी कटाई और परिवहन के मामले पहले भी सामने आते रहे हैं। वन विभाग समय-समय पर कार्रवाई करता रहा है लेकिन इसके बावजूद अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पाया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि वन अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और प्रभावी निगरानी की आवश्यकता है, ताकि जंगलों और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लग सके।

उठ रहे हैं कई सवाल- घटना के बाद कई सवाल चर्चा का विषय बने हुए हैं। लोगों का कहना है कि वन विभाग के अमले पर हमला होने के बावजूद अब तक एफआईआर दर्ज नहीं होना चिंता का विषय है। वहीं जब्त वाहन का हिस्सा भी बरामद नहीं हो सका है। ऐसे में अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण और शासकीय कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

इनका कहना- वन विभाग की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

-अक्षय सिंह बेस, थाना प्रभारी सुसनेर

वन विभाग की टीम ट्रैक्टर की तलाश कर रही है। मामले में कार्रवाई के लिए पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की गई है। दोषियों पर जल्द कार्रवाई हो, इसके प्रयास किए जा रहे हैं। वन विभाग के द्वारा लगातार कारवाई की जाती है। मौके से लकड़ियां जब्त कर ली गई है।

-चंदर सिंह पंवार, वन परिक्षेत्र अधिकारी सुसनेर

एमपी ट्रांसको के कार्यपालन अभियंता इंजी.हितेश तिवारी के शोध पत्र को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल ने किया प्रकाशित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के कार्यपालन अभियंता इंजी. हितेश कुमार तिवारी का शोध पत्र प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल, द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया)= सीरीज बी, में प्रकाशित हुआ है। यह जर्नल इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के स्वामित्व में है और स्प्रिंगर नेचर जर्मनी और स्प्रिंगर इंडिया द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

इस अंतरराष्ट्रीय जर्नल में वैज्ञानिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाली जानकारी/शोधपत्र को प्रसार के लिए प्रकाशित किया जाता है। ऑप्टिमाइज्ड ट्रांसमिशन सिस्टम नेटवर्क डिजाइन फॉर एफिशिएंट पावर इवैक्यूएशन फ्रॉम 250 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर पार्क शीर्षक के इस शोध पत्र में 250 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर पार्क से उत्पादित विद्युत ऊर्जा के कुशल, विश्वसनीय एवं किफायती पावर निकासी के लिए एक ऑप्टिमाइज्ड ट्रांसमिशन सिस्टम नेटवर्क का खाका प्रस्तुत किया गया है।

इस शोध में इंजी. हितेश कुमार तिवारी के साथ जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के प्रोफेसर डॉ. संजय कुमार मौर्य एवं ज्ञान गंगा प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, जबलपुर के प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार चौहान सह-लेखक हैं। अध्ययन में जेनेटिक एल्गोरिद्म आधारित ऑप्टिमाइजेशन तकनीक तथा पीएसएसई सिमुलेशन का उपयोग करते हुए ट्रांसमिशन लाइन रूटिंग, उपयुक्त वोल्टेज लेवल चयन तथा पावर सिस्टम स्टेबलाइजर की स्थापना का विश्लेषण किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शोध- प्रस्तावित नेटवर्क की विश्वसनीयता का परीक्षण एन-1 कंटिनजेंसी एनालिसिस के माध्यम से किया गया, जिसमें किसी एक प्रमुख घटक के बंद हो जाने की स्थिति में भी निर्बाध विद्युत निकासी सुनिश्चित करने की क्षमता का मूल्यांकन किया गया। विशेषज्ञों ने इस समाधान को तकनीकी एवं आर्थिक रूप से व्यवहारिक तथा अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता मानकों के अनुरूप पाया । वर्तमान में प्लानिंग एवं डिजाइन विभाग में पदस्थ इंजी. हितेश कुमार तिवारी का यह शोध रिन्यूअल इनर्जी के ग्रिड इंटीग्रेशन तथा भविष्य की ग्रीन एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है। यह उपलब्धि एमपी ट्रांसको तथा मध्यप्रदेश के विद्युत क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है जिस पर विद्युत क्षेत्र के विशेषज्ञों ने उन्हें बधाई दी है।

बाहाम्णखेड़ी में एक कुंडात्मक श्री हनुमत महायज्ञ एवं नूतन कलश प्राणप्रतिष्ठा और नानी बाई को मायरो कथा महोत्सव आयोजन किया गया

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। खाचरोद क्षेत्र के गांव बाहाम्णखेड़ी में एक कुंडात्मक श्री हनुमत महायज्ञ एवं नूतन कलश प्राणप्रतिष्ठा और नानी बाई को मायरो कथा महोत्सव का दिव्य महा अनुष्ठान दिनांक 9 जून से 13 जून तक सिद्ध ग्राम ब्राह्मणखेड़ी में किया गया जिसमें नानी बाई के मायरा की कथा का वाचन आचार्य पं विजय शंकर शास्त्री जी आलोट वाले के मुखारविन्द से किया गया जिसमें महायज्ञ यज्ञाचार्य पं श्री भरत जी शर्मा मालाखेड़ा वाले के सानिध्य में आचार्यत्व में सम्पन्न हुआ सभी नगर वासियों के कठौर मेहनत से विधिवत सम्पन्न हुआ इस अवसर पर संस्कार ऋषि पं दिनेश गुरुजी घटवास वाले एवं नागदा खाचरोद विधायक डॉक्टर तेज बहादुरसिंह चौहान शामिल हुवे।

हर पात्र हितग्राही को मिलेगा योजनाओं का लाभ - सांसद

कटनी /दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की जनहितैषी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा योजनाओं के लाभ से वंचित पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से शनिवार को बहोरीबंद में खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा के मुख्यातिथ्य और विधायक बहोरीबंद श्री प्रणय प्रभात पाण्डेय की मौजूदगी में तीन दिवसीय विकासखंड स्तरीय जनकल्याण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता मेहरा, प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री दीपक टंडन सोनी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष राजेश चौधरी, एसडीएम प्रदीप मिश्रा, तहसीलदार आशीष अग्रवाल, जनपद सीईओ अभिषेक सिंह, बीईओ मनोज गर्ग और शंकर महतो, प्रकाश गुप्ता, मृदुल मिश्रा सहित जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रतिभा पाण्डेय, उपसंचालक पशु डॉ. आर के सोनी और सहायक संचालक मत्स्योद्योग आशीष नायक की मौजूदगी रही। शिविर को मुख्य अतिथि की हैसियत से सम्बोधित करते हुए सांसद श्री वी. डी. शर्मा ने कहा की प्रधानमंत्री श्री नरेद्र मोदी ने अपने 12 वर्ष के कार्यकाल में जनता को सुशासन पूर्ण गुड गवर्ननेंस दिया है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत के सचिव और ग्राम रोजगार सहायक आमजन को योजनाओं से लाभान्वित करने और समस्याओ के समाधान करने का कार्य करें। सांसद ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। उन?होंने कहा कि वंचित पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाकर गरीबों के चेहरे में मुस्कान लाने कि कोशिश करें। साथ ही उन्होंने आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से बड़ी संख्या में लाभान्वित हो रहे हितग्राहियों का भी जिक्र किया। विधायक बहोरीबंद श्री प्रणय प्रभात पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार जनकल्याण शिविर में जरुरतमंद पात्र हितग्राहियों को ढूंढ़-ढूंढ कर शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने का गरीब हितैषी कार्य कर रही हैं। उन्होंने क्षेत्र में हुए चौमुखी विकास का जिक्र करते हुए सड़क, बिजली व पानी सहित अन्य तमाम मामलों मे हुए कार्यों का उल्लेख किया। शिविर को जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता मेहरा और जिला भाजपा अध्यक्ष श्री दीपक टंडन सोनी ने भी सम्बोधित किया और शिविर के माध्यम से समाज के अंतिम छोर के व्यक्तियों के लिए शिविर आयोजन को महत्वपूर्ण बताया।

कलेक्टर ने दो स्कूलों के मरम्मत कार्य हेतु जारी की 3.53 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति

कटनी/दैनिक मालवा हेराल्ड। छात्रों की सुरक्षा एवं आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री आशीष तिवारी द्वारा जिला खनिज प्रतिष्ठान (डीएमएफ) मद से विकासखंड कटनी एवं विजयराघवगढ़ की दो शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में मरम्मत कार्य हेतु कुल 3.53 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। इन कार्यों के क्रियान्वयन के लिए संबंधित नगर निगम एवं नगर परिषद को एजेंसी नियुक्त किया गया है। जिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा केंद्र कटनी द्वारा विद्यालयों का सर्वे कर आवश्यक मरम्मत कार्यों का आंकलन तैयार कर प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था। प्रस्ताव को डीएमएफ पोर्टल पर अपलोड कर विभागीय अनुमति हेतु भेजा गया, जिसे परीक्षण उपरांत राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। कलेक?टर श्री तिवारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार विकासखंड कटनी के पी.एस. आधारकाप के लिए 1.26 लाख रुपये तथा जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ अंतर्गत जी.जी.पी.एस. खलवारा बाजार के लिए 2.26 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। कलेक्टर श्री तिवारी ने निर्देशित किया है कि सभी कार्य निर्धारित तकनीकी मापदंडों एवं स्वीकृत प्राक्कलन के अनुसार ही किए जाएं। किसी प्रकार की अनियमितता होने पर संपूर्ण जिम्मेदारी क्रियान्वयन एजेंसी की होगी।

मंत्री श्री कुशवाह ने विधायक निधि से सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने शनिवार को वार्ड-38 में 38 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सीमेंट कंक्रीट सड़क का कन्या पूजन कर भूमिपूजन किया। इस सड़क के बन जाने से नागरिकों को आवागमन में बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह ने अपनी विधायक निधि से काला सैय्यद दरगाह की पुलिया से लगी हुई विभिन्न गलियों में सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया है। उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसी को भी निर्देशित किया है कि सड़क निर्माण का कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किया जाए।

इस अवसर पर पार्षद श्री भगवान सिंह कुशवाह, मण्डल अध्यक्ष श्री विनय शर्मा, मण्डल महामंत्री श्री राकेश कुशवाह, श्री संजय दीक्षित, श्री किशोर राठौर, श्री वीरेन्द्र कोटिया, श्री राम कुशवाह, श्री मनोज भार्गव, श्री रामहेत इमले, श्री त्रिलोक राठौर, श्री गौरव बाजपेयी, श्री सतीश साहू, श्री बीके जोशी, श्री शशांक साहू, श्री दिनेश तोमर, श्री राकेश छिलवार, श्री राजेश रजक, श्री भालचंद्र प्रजापति, श्रीमती ज्योति इमले, श्रीमती शकुंतला तोमर, श्रीमती वंदना खटीक, श्रीमती सपना पाल, श्रीमती शोभा राठौर सहित स्थानीय नागरिक तथा जनप्रतिनिधिगण एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इथेनॉल प्लांट में 68 करोड़ की कथित धोखाधड़ी, पुणे की कंपनी के पांच अधिकारियों पर मामला दर्ज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना मल्हारगढ़ पुलिस ने इथेनॉल प्लांट स्थापना के नाम पर कथित धोखाधड़ी कर करोड़ों रुपये वसूलने के आरोप में पुणे (महाराष्ट्र) की एक निजी कंपनी के पांच अधिकारियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच प्रारंभ कर दी है। आरोपी की गिरफ्तारी नही हुई है। जनाकारी के अनुसार फरियादी यश गर्ग पिता योगेश गर्ग, उम्र 26 वर्ष, निवासी पीटी-06, सत्यम विहार कॉलोनी, मंदसौर ने थाना मल्हारगढ़ में लिखित शिकायत प्रस्तुत की। शिकायत में बताया गया कि वह एवं उनके पिता योगेश गर्ग पिता रमेशचंद्र गर्ग वैधानिक रूप से कृपा बायोटेक एलएलपी कंपनी के पार्टनर हैं। कंपनी का इथेनॉल उत्पादन संयंत्र ग्राम चंगेरी, तहसील मल्हारगढ़ में स्थापित है। फरियादी के अनुसार उनकी कंपनी ने इथेनॉल प्लांट स्थापित करने के लिए मैसर्स SSEPL टेक्नो प्राइवेट लिमिटेड, पता टी-3/103, कोहिनूर वर्ल्ड टावर्स, एम्पायर स्टेट के सामने, ओल्ड मुंबई-पुणे हाईवे, पिंपरी कॉलोनी, पुणे, महाराष्ट्र के साथ दिनांक 22 नवंबर 2023 को लिखित अनुबंध किया था। अनुबंध के अनुसार कंपनी को 120/140 KLPD क्षमता का इथेनॉल प्लांट स्थापित करना था, जिसके एवज में लगभग 67 करोड़ 85 लाख रुपये (जीएसटी सहित) का भुगतान निर्धारित किया गया था।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अनुबंध के अनुरूप भुगतान करते हुए उनकी कंपनी द्वारा बैंक ऋण के माध्यम से अब तक 67 करोड़ 70 लाख 94 हजार 695 रुपये संबंधित कंपनी को अदा किए जा चुके हैं। प्लांट स्थापित होने के बाद जब अनुबंधानुसार संचालन एवं उत्पादन शुरू कराने की मांग की गई तो कंपनी के अधिकारी प्लांट को पूरी तरह संचालित किए बिना ही चले गए। फरियादी का कहना है कि बाद में जब उन्होंने स्वयं प्लांट का संचालन शुरू किया तो उत्पादन क्षमता अनुबंध में तय 120/140 KLPD के बजाय मात्र लगभग 100 KLPD ही पाई गई। इस संबंध में कई बार कंपनी के अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। मामले में जिन आरोपियों को नामजद किया गया है उनमें माधव सूर्यकांत उगिले (प्रबंध निदेशक), कांचनकुमार लक्ष्मण शेवाले पाटिल (निदेशक), विलास भगवंतराव पवार (निदेशक), आलोक माधवराव वानखेडे (निदेशक) तथा सुहास सुरडी (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) शामिल हैं। सभी आरोपी मैसर्स SSEPL टेक्नो प्राइवेट लिमिटेड, पुणे (महाराष्ट्र) से संबंधित बताए गए हैं। फरियादी ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने अनुबंधित क्षमता का प्लांट स्थापित नहीं किया और कम क्षमता का संयंत्र लगाकर अधिक क्षमता वाले प्लांट की पूरी कीमत वसूल ली। इसके चलते उनकी कंपनी पर्याप्त मात्रा में इथेनॉल उत्पादन नहीं कर सकी।

शिकायत के अनुसार उनकी कंपनी ने इथेनॉल आपूर्ति के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड तथा भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ अनुबंध किए थे, लेकिन उत्पादन कम होने के कारण निर्धारित आपूर्ति नहीं हो सकी। इससे संबंधित कंपनियों द्वारा उनकी फर्म पर आर्थिक दंड भी लगाया गया। फरियादी ने पुलिस को अनुबंध की प्रतिलिपि सहित अन्य दस्तावेज भी सौंपे हैं। थाना मल्हारगढ़ पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद प्रथम दृष्टया धोखाधड़ी का मामला पाए जाने पर आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। मल्हारगढ टीआई अनिल रघुवंशी कहना है कि मामले की जांच जारी है तथा दस्तावेजों एवं तकनीकी तथ्यों का परीक्षण किया जा रहा है, केस दर्ज कर लिया है, आरोपियो की गिरफ्तारी नही हो पाई है।

हर जरूरतमंद तक पहुंचेगा शासन की योजनाओं का लाभ - ऊर्जा मंत्री तोमर

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजनों तक पहुँचाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में कांचमिल सामुदायिक भवन पर शिविर आयोजित कर एक हजार से अधिक नागरिकों की समस्याओं को सुना और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के सार्थक प्रयास किए गए। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह सहित जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने आमजनों से चर्चा की और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने का कार्य कराया।

कांचमिल सामुदायिक भवन में आयोजित जनकल्याण शिविर में 1150 नागरिकों ने पहुंचकर विभिन्न योजनाओं के संबंध में अपने आवेदन प्रस्तुत किए। इसके साथ ही नागरिकों की समस्याओं का भी मौके पर स्थित विभागीय अधिकारियों ने निराकरण किया। शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से हितग्राहियों को हितलाभ वितरित भी किया गया। शिविर स्थल पर जनसंपर्क विभाग के माध्यम से केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं पर केन्द्रित फोटो प्रदर्शनी भी लगाई गई।

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप शासन की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ पात्र हितग्राहियों को उपलब्ध कराने हेतु शासन-प्रशासन हितग्राहियों के पास पहुँचकर उन्हें लाभान्वित करने का कार्य कर रहे हैं। इसी उद्देश्य से शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर जरूरतमंद को शासन की योजनाओं का लाभ मिले, ताकि उनका जीवन और बेहतर हो सके।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने शिविर में उपस्थित नागरिकों से कहा कि उनकी समस्याओं का निराकरण करने के साथ-साथ शासन की विभिन्न योजनाओं में लाभान्वित करने का कार्य भी शिविर में किया जायेगा। शिविर में सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करने के साथ-साथ पात्रता अनुसार योजनाओं का लाभ दिलाने का भी कार्य करेंगे।

क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिये शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में शिविरों का आयोजन कर नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने का सार्थक कार्य कर रही है। नागरिकों को भी चाहिए कि वे शासन की योजनाओं के माध्यम से अपने जीवन स्तर को और बेहतर बनाने का कार्य करें। सांसद श्री भारत सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार के माध्यम से विकास के अनेक कार्य किए जा रहे हैं। आमजनों को बेहतर मूलभूत सुविधायें मिलें, इसके लिये भी शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कार्य किए जा रहे हैं।

सांसद श्री कुशवाह ने कहा कि केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार के माध्यम से ग्वालियर में भी विकास की अनेक योजनाओं के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर में आधुनिक हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन, एलीवेटेड रोड, आगरा-ग्वालियर सुपर कोरीडोर के साथ ही अनेक विकास परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। आने वाले दिनों में ग्वालियर विकास के मामले में अपनी एक अलग पहचान स्थापित करेगा।

शिविर में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ आमजनों को मिले, इसके लिये शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

लोढ़ाखेड़ा में 128 लीटर से अधिक अवैध शराब और बीयर जब्त, आरोपी को कोर्ट ने भेजा जेल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नारायणगढ़ थाना क्षेत्र की झारड़ा चौकी पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लोढ़ाखेड़ा नई आबादी पुलिया के पास से एक व्यक्ति को भारी मात्रा में शराब एवं बीयर के साथ गिरफ्तार किया है। जिसे कोर्ट ने जेल भेजने के आदेश दिए है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 128.64 लीटर अवैध शराब और बीयर जब्त की है। नारायणगढ़ थाना प्रभारी राजेन्द्रकुमार पंवार ने बताया कि अनुसार 12 जून 2026 को रात्रि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि लोढ़ाखेड़ा नई आबादी पुलिया के पास एक व्यक्ति सफेद प्लास्टिक के कट्टों में अवैध शराब रखे खड़ा है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबिश दी। पुलिस के पहुंचते ही संदिग्ध व्यक्ति कट्टों को छोड़कर भागने लगा, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम कैलाश (54) पिता खन्नाजी दायमा निवासी लोढ़ाखेड़ा बताया। तलाशी के दौरान तीन प्लास्टिक के कट्टों से विभिन्न ब्रांड की शराब और बीयर बरामद हुई। पहले कट्टे में पांच पेटी देशी प्लेन शराब मिली, जिनमें कुल 45 लीटर शराब थी। दूसरे कट्टे में तीन पेटी देशी मदिरा मसाला शराब और एक पेटी 8 पीएम स्पेशल व्हिस्की मिली, जिनमें क्रमशः 27 लीटर देशी मदिरा मसाला तथा 8.64 लीटर व्हिस्की पाई गई।

तीसरे कट्टे में चार पेटी स्टॉक बीयर केन बरामद हुई, जिनमें कुल 48 लीटर बीयर थी। इस प्रकार आरोपी के कब्जे से कुल 128.64 लीटर शराब एवं बीयर बरामद हुई।

जब पुलिस ने आरोपी से शराब रखने और परिवहन करने संबंधी लाइसेंस अथवा परमिट के बारे में पूछा तो वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने मौके पर ही शराब और बीयर को जब्त कर आरोपी कैलाश दायमा को गिरफ्तार कर लिया।

उसके विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी पंवार ने बताया कि आरोपी को शनिवार को नारायणगढ़ कोर्ट में पेश किया, जिसे जेल भेजने के आदेश हुए।

जनकल्याण शिविर अंतर्गत चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित जनकल्याण शिविरों की श्रृंखला के अंतर्गत जनपद पंचायत खनियाधाना एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में पर्यावरण संरक्षण, योग एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि श्री हरिभान सिंह लोधी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्री मोगराज मीणा, बीआरसी श्री संजय भदौरिया, महिला एवं बाल विकास अधिकारी सुश्री प्रियंका बुनकर तथा संवाद मित्र श्री राजेश देव पांडे उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन एवं योग के महत्व से अवगत कराते हुए समाज में जागरूकता फैलाने में उनकी भूमिका की सराहना की।भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली जैसे विषयों पर प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में कु. हर्षिता जैन, आचार्य विद्यासागर पब्लिक स्कूल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता एवं कलात्मक अभिव्यक्ति का परिचय दिया। प्रतियोगिता में विशाखा सिकरवार ने प्रथम, अश्विनी नामदेव ने द्वितीय तथा अमृता लोधी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त माही अहिरवार एवं राशि नामदेव को भी उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

वन विभाग की हांका तकनीक भी रही बेअसर

ग्रामीणों ने हाथों से चार नील गाय पकड़कर वन विभाग का सम्मान बचाया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। फसलों को नुकसान पहुंचा रही नीलगायों को पकड़ने के लिए वन विभाग द्वारा चलाया गया विशेष रेस्क्यू अभियान अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सका। करीब आठ घंटे तक चले ऑपरेशन में विभाग की टीम केवल चार नीलगायों को ही पकड़ पाई। अभियान में पहली बार हेलीकॉप्टर की जगह हांका तकनीक का उपयोग किया गया, लेकिन यह प्रयोग भी पूरी तरह सफल नहीं रहा।

ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बढ़ रही नीलगायों की संख्या किसानों के लिए बड़ी समस्या बनी हुई है। फसलों की बर्बादी के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। इसी समस्या के समाधान के लिए वन विभाग ने बजरंगखेड़ी क्षेत्र में बड़े स्तर पर अभियान चलाया। सुबह से शुरू हुए ऑपरेशन में वन अमले के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण भी शामिल हुए।अभियान के दौरान हांका लगाकर नीलगायों को घेरने का प्रयास किया गया, लेकिन खुले क्षेत्र और तेज रफ्तार के कारण अधिकांश नीलगायें बच निकलीं। आखिरकार ग्रामीणों की सक्रियता और सतर्कता से चार नीलगायों को सुरक्षित पकड़ने में सफलता मिली। पकड़ी गई नीलगायों को सुरक्षित स्थान पर छोड़ा गया, जहां उनके लिए भोजन और पानी की व्यवस्था की गई है।

वन अधिकारियों के अनुसार भारतीय वन्यजीवों के विस्थापन में हांका पद्धति अपेक्षाकृत मानवीय और सुरक्षित मानी जाती है, लेकिन इस अभियान में अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। अधिकारियों का कहना है कि एक-दो दिन का अंतराल देकर फिर से अभियान शुरू किया जाएगा और रणनीति में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। ग्रामीणों का कहना है कि नीलगायों के बढ़ते आतंक से खेती प्रभावित हो रही है, इसलिए स्थायी समाधान की आवश्यकता है। वहीं वन विभाग का मानना है कि क्षेत्र में मानवीय गतिविधियों के कारण वन्यजीव बार-बार लौट आते हैं, जिससे चुनौती और बढ़ जाती है।

सिंहस्थ में 250 किलोमीटर के दायरे तक ट्रैफिक पर रहेगी नजर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 के बेहतर और आधुनिक प्रबंधन के लिए प्रशासन अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जियो मैपिंग और डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों का सहारा लेगा। जिससे 250 किलोमीटर के दायरे में ट्रैफिक पर नजर रखी जा सकेगी। संभागायुक्त आशीष सिंह ने शुक्रवार को भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं जियोइन्फॉर्मेटिक्स संस्थान (बीआईएसएजी-एन) के विशेषज्ञों और गूगल क्लाउड टीम के साथ बैठक कर मेले की व्यवस्थाओं को तकनीक आधारित बनाने पर चर्चा की। बैठक में तय किया गया कि सिंहस्थ से जुड़ी सभी जानकारियां एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके माध्यम से लगभग 250 किलोमीटर के दायरे में ट्रैफिक नियंत्रण, ट्रेन-बस एवं अन्य वाहनों के रूट, पार्किंग, घाट, मेला क्षेत्र तक पहुंच मार्ग और आवश्यक सूचनाएं आसानी से मिल सकेंगी। गूगल क्लाउड टीम ने प्रस्तुतीकरण में बताया कि एआई और रियल टाइम डेटा विश्लेषण की मदद से श्रद्धालुओं की आवाजाही, भीड़ का दबाव और प्रमुख स्थानों पर लोगों की संख्या का पूर्वानुमान लगाया जा सकेगा। मोबाइल आधारित सूचना प्रणाली, डिजिटल मैप और आपातकालीन संदेशों के जरिए श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी योजना है।संभागायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंहस्थ की जरूरतों के अनुरूप सभी तकनीकी विकल्पों का विस्तृत अध्ययन कर जल्द कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं और प्रशासन को प्रभावी प्रबंधन मिल सके।

थाने के सामने पति की प्रेमिका ने पत्नी का काटा गला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पंवासा थाने के सामने बड़ा घटनाक्रम हो गया। प्रेमिका ने प्रेमी की पत्नी के गले पर ब्लेड से वार कर दिया। घटनाक्रम के बाद हडकंप मच गया। पुलिस ने घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया और हमला करने वाली युवती को हिरासत में लिया।

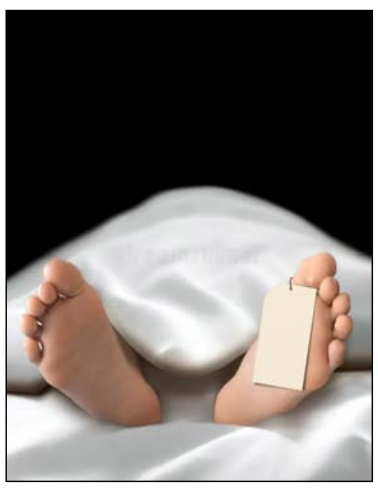

मक्सीरोड बजरंग कालोनी में रहने वाले शुभम प्रजापत का जयसिंहपुरा की युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा है। शुभम की शादी हो चुकी थी, बावजूद दोनों के बीच प्रेम प्रसंग जारी था। दोपहर को युवती बजरंग नगर प्रेमी शुभम के घर पहुंच गई। जहां शुभम की पत्नी रितिका से उसका सामान हुआ। दोनों के बीच विवाद हो गया और मामला मारपीट तक पहुंच गया। डायल 112 को इंवेट मिला तो दोनों को थाने लाया गया। दोनों के बीच थाने के सामने फिर से कहासुनी शुरू हो गई। इस दौरान युवती ने प्रेमी की पत्नी के गले पर ब्लेड से वार कर दिया। रितिका लहूलुहान हो गई। पुलिस ने तत्काल घायल रितिका को उपचार के लिये अस्पताल पहुंचाया। थाना प्रभारी गमरसिंह मंडलोई ने बताया कि शुभम प्रायवेट जॉब करता है। युवती उसकी महिला मित्र है। जिसे कस्टडी में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार शुभम और युवती के बीच काफी समय से मामला चला आ रहा है। शुभम ने युवती से अपनी शादी की बात छुपाई थी। वहीं उसकी पत्नी को भी पति के प्रेम प्रसंग का पता चला गया था। कुछ दिनों पहले विवाद भी हुआ था। जिसके चलते युवती ने आत्महत्या का प्रयास भी किया था। सूत्रों का कहना है कि अब युवती शुभम पर शादी का दबाव बना रही है। जिसके चलते उसे घर तक पहुंची थी। जहां विवाद हुआ। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। दोनों पक्षों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई हो सकती है।

संभाग में बाढ़ प्रभावित 154 पुल-पुलियां चिन्हित, हर स्थान पर रहेगी निगरानी

मानसून से पहले प्रशासन अलर्ट, जलमग्न होने वाले मार्गों पर तैनात रहेंगे पुलिस-होमगार्ड कर्मचारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मानसून के दौरान संभावित बाढ़ और जलभराव से होने वाले हादसों को रोकने के लिए संभाग में ऐसे 154 पुल और पुलियों की पहचान कर ली गई है, जहां बारिश के दौरान पानी पुल तक पहुंच जाता है या मार्ग जलमग्न हो जाता है। इन सभी स्थानों पर निगरानी के लिए कर्मचारियों की तैनाती कर उनके मोबाइल नंबर सहित सूची पुलिस और जिला प्रशासन को उपलब्ध करा दी गई है।

यह जानकारी संभागायुक्त आशीष सिंह द्वारा मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक में सामने आई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में संभाग के सभी कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से बाढ़ नियंत्रण एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि लोक निर्माण विभाग ने जलमग्न होने वाले 154 संवेदनशील पुल-पुलियों का सर्वे कर उन्हें चिन्हित किया है। सभी स्थानों पर दोनों ओर चेतावनी संबंधी साइन बोर्ड लगाए गए हैं, ताकि लोगों को खतरे की स्थिति में पहले से सतर्क किया जा सके। प्रशासन का फोकस इस बार ऐसे स्थानों पर विशेष निगरानी रखने पर है, जहां हर वर्ष पानी के कारण आवागमन प्रभावित होता है।

एडीजी राकेश गुप्ता ने निर्देश दिए कि बाढ़ के दौरान रपटों, नालों और पुल-पुलियों पर पुलिस एवं होमगार्ड जवानों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। वहीं संभागायुक्त श्री सिंह ने बांधों से पानी छोड़े जाने की स्थिति में प्रभावित गांवों को समय पर सूचना देने तथा राहत-बचाव दलों, गोताखोरों और आपदा प्रबंधन संसाधनों को तैयार रखने के निर्देश दिए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मानसून के दौरान किसी भी प्रकार की जनहानि रोकने के लिए संवेदनशील पुल-पुलियों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर आवागमन भी प्रतिबंधित किया जा सकेगा।

तलवार से जानलेवा हमला करने वाले पिता-पुत्र गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घट्टिया तहसील के ग्राम बांदका में उत्तम पिता मनोहरसिंह 31 साल पर पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदार पिता-पुत्र 32 साल पर गुरूवार-शुक्रवार रात पुराने विवाद में पड़ोसी रिश्तेदार बहादूर और उसके पुत्र कृष्णपाल ने घर में घुसकर तलवार लाठी से हमला कर दिया। बीच बचाव में उत्तम की मां कौशल्याबाई आई तो उनके साथ लाठियों से मारपीट की गई। हमला करने वाले पिता-पुत्र जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। दोनों घायल मां-पुत्र को परिवार के लोग उपचार के लिये उज्जैन लेकर पहुंचे। तलवारबाजी की खबर मिलते ही घट्टिया थाना प्रभारी करण खोवाल, पानबिहार चौकी प्रभारी जयंत डामोर टीम के साथ ग्राम बांदका पहुंचे और घायलों के परिवार से संपर्क कर हमला करने वाले पिता-पुत्र की तलाश में दबिश देना शुरू किया। रात में कुछ घंटों की तलाश के बाद दोनों को हिरासत में ले लिया गया। जिनसे हमले में प्रयुक्त तलवार और लाठी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि कुछ माह से हमलावर और घायल परिवार के बीच विवाद चला आ रहा है। उसी रंजीश में रात को घर में घुसकर तलवार मारी गई है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में सहभागिता के लिए इच्छुक नागरिक टोल फ्री नंबर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर अपना पंजीयन करें

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आयुष अधिकारी डॉ मनीषा पाठक ने बताया कि बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व 100 दिवसीय काउंटडाउन श्रृंखला के सातवें दिन 14 जून को आयोजित होगा ऑनलाइन योग सत्र।आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा हेबिल्ड हेल्थ टेक प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से 14 जून 2026 को प्रातः 6:15 बजे से 7:35 बजेतक ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन किया जाएगा। इस ऑनलाइन योग सत्र में एक साथ सर्वाधिक लोगों की भागीदारी के माध्यम से गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया जा रहा हैइस योग सत्र में सहभागिता के लिए इच्छुक नागरिक टोल फ्री नंबर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर अपना पंजीयन कर सकते हैं। पंजीयन के लिए लिंक व्हाट्सएप पर आएगी । सभी नागरिकों, समस्त विभागों, शासकीय एवं स्वयंसेवी संस्थाओं से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में इस योग सत्र से जुड़े जिससे योग के प्रति जागरूकता बढ़े और अधिक से अधिक नागरिक इसका लाभ प्राप्त कर सकें। सभी इस ऐतिहासिक योग सत्र का हिस्सा बने और संपूर्ण विश्व को एक जुटता का संदेश दें। यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं बल्कि स्वस्थ भारत और स्वस्थ विश्व की दिशा में सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। योग मित्र बने और इस विश्व रिकॉर्ड में अपना अधिक से अधिक योगदान दें।

उप महाप्रबंधक के साथ 1.77 करोड़ की धोखाधड़ी में शामिल आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांची दुग्ध संघ ट्रेनिंग सेंटर के उप महाप्रबंधक के साथ निवेश के नाम पर हुई 1.77 करोड़ की ठगी में शामिल खाताधारक को 2 माह की तलाश के बाद भोपाल से गिरफ्तार कर लिया गया। राज्य सायबर सेल की टीम ठगी से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

राज्य सायबर पुलिस अधीक्षक सव्यसाची सराफ को अप्रैल माह में सांची दुग्ध संघ ट्रेनिंग सेंटर के उप महाप्रबंधक दीपक कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके साथ शेयर मार्केट में मुनाफा कमाने का झांसा देकर 1.77 करोड़ की धोखाधड़ी की गई है। शिकायत पर मामले में धारा 318 (4) के साथ 66-डी आईटी एक्ट का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश में उपपुलिस अधीक्षक लीना मारोठ, उपनिरीक्षक पूजा मुवेल, अर्पणा भट्ट, एएसआई प्रवीणसिंह पंवार, आरक्षक कमल वरकड़े की टीम गठित की गई। टीम द्वारा लगातार तकनीकी साक्ष्यों की जांच करते हुए पाया कि ठगी की कुछ राशि का आनलाइन ट्रांजेक्शन भोपाल के शिवनगर कालोनी करोद के रहने वाले भानू पिता भगवान दास चौरसिया के खाते में हुआ है। टीम भोपाल पहुंची और भानू को गिरफ्तार कर उज्जैन लाया गया। उसके खाते में ठगी के 2 लाख 50 हजार का ट्रांजेक्शन हुआ था। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि कक्षा 12 वीं तक पढाई की है और प्रायवेट जॉब करता है। उस पर कर्ज हो गया था, जिसके चलते दोस्त सारांश जैन ने कहा था कि यश बैंक में अकाउंट खुला कर मुझे उपयोग के लिये दें। बदले में 10 हजार रूपये प्रतिमाह मिलेगें। खाता खुलावे के दौरान सारांश ने 26 हजार दिये थे। सायबर सेल टीम के अनुसार पूछताछ के बाद आरोपी खाताधारक को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। सारांश की गिरफ्तारी के बाद मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की जायेगी।

उज्जैन का भू जल एक साल में एक मीटर से ज्यादा नीचे गया

शहर में भूजल 12.76 मीटर तक पहुंचा, जिले का औसत स्तर 13.70 मीटर- सूख रहे तालाब और बढ़ रही पानी की चिंता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते जल दोहन के बीच उज्जैन की धरती प्यासी होती जा रही है। शहर और जिले में भूजल स्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। हालत यह है कि जिन इलाकों में कभी कम गहराई पर पानी मिल जाता था, वहां अब लोगों को अधिक गहराई तक बोरिंग करानी पड़ रही है। दूसरी ओर शहर के कई तालाब भी सूखने की कगार पर पहुंच गए हैं, जिससे आने वाले वर्षों में जल संकट और गहराने की आशंका बढ़ गई है।

डिवीजनल ग्राउंड वाटर सर्वे यूनिट-14 इंदौर के आंकड़े बताते हैं कि उज्जैन शहर का औसत भूजल स्तर मई 2025 में 13.82 मीटर था, जो मई 2026 में घटकर 12.76 मीटर रह गया। यानी एक वर्ष में 1.06 मीटर की गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञ इसे गंभीर संकेत मान रहे हैं।

जिलेभर में गिर रहा भूजल स्तर- केवल शहर ही नहीं, जिले के अधिकांश विकासखंडों में भी भूजल स्तर नीचे गया है। बड़नगर में भूजल स्तर 16.98 मीटर से घटकर 15.41 मीटर पर पहुंच गया। घट्टिया में यह 14.74 मीटर से 13.64 मीटर, खाचरौद में 15.03 मीटर से 14.60 मीटर और तराना में 14.80 मीटर से 13.92 मीटर दर्ज किया गया। महिदपुर एकमात्र क्षेत्र रहा जहां मामूली परिवर्तन देखने को मिला और भूजल स्तर 11.83 मीटर से 11.99 मीटर रहा। उल्लेखनीय है कि उज्जैन जिले का औसत भूजल स्तर मई 2025 में 14.45 मीटर था, जो मई 2026 में घटकर 13.70 मीटर रह गया। यह आंकड़े स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि भूजल भंडार पर दबाव लगातार बढ़ रहा है।

तालाब सूखे, प्राकृतिक स्रोतों पर संकट- शहर के पारंपरिक जलस्रोत भी संकट झेल रहे हैं। जिन तालाबों को कभी शहर की जल सुरक्षा का आधार माना जाता था, उनमें अब पर्याप्त पानी नहीं बचा है। कई तालाबों में जलस्तर बेहद कम हो गया है। जल विशेषज्ञों का मानना है कि तालाबों और जल संरक्षण संरचनाओं की उपेक्षा का सीधा असर भूजल पुनर्भरण पर पड़ रहा है।

अनियंत्रित बोरिंग और शहरीकरण बना वजह- विशेषज्ञों के अनुसार तेजी से बढ़ता शहरीकरण, अंधाधुंध बोरवेल खनन, वर्षा जल संचयन की कमी और जलस्रोतों के संरक्षण में लापरवाही भूजल गिरावट के प्रमुख कारण हैं। शहर में हर साल बड़ी संख्या में नए बोरवेल खोदे जा रहे हैं, जबकि भूजल रिचार्ज की व्यवस्थाएं अपेक्षाकृत कमजोर हैं।

भविष्य के लिए चेतावनी- जल विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अभी भी प्रभावी जल संरक्षण उपाय नहीं किए गए तो आने वाले वर्षों में कई क्षेत्रों में पेयजल संकट और गंभीर हो सकता है। वर्षा जल संचयन को अनिवार्य बनाने, तालाबों के संरक्षण और भूजल दोहन पर नियंत्रण जैसे कदम उठाना समय की मांग है।

एक नजर में स्थिति -उज्जैन शहर का भूजल स्तर- 13.82 मीटर से घटकर 12.76 मीटर
-एक वर्ष में गिरावट- 1.06 मीटर
-जिले का औसत भूजल स्तर- 14.45 मीटर से घटकर 13.70 मीटर
-सबसे अधिक गिरावट दर्ज- बड़नगर क्षेत्र में
-प्रमुख कारण- अनियंत्रित बोरिंग, शहरीकरण और जलस्रोतों की उपेक्षा।

हरी फाटक ब्रिज के निर्माण में देरी पर 5 लाख की पेनल्टी लगाई

निरीक्षण के दौरान सिंहस्थ कार्यों में ढिलाई पर संभागायुक्त हुए सख्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार को नियमित निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त ने हरी फाटक रेलवे ओवरब्रिज के समानांतर बन रहे नए ब्रिज के निर्माण कार्य में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए संबंधित निर्माण एजेंसी पर 5 लाख रुपए की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त ने स्पष्ट कहा कि सिंहस्थ महापर्व-2028 के लिए तय समय-सीमा में सभी निर्माण कार्य पूरे करना प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक देरी को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

संभागायुक्त ने नगर निगम अधिकारियों के साथ शहर में चल रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्यों का भी जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर कार्यों की प्रगति देखी और अधिकारियों को निर्माण गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि सिंहस्थ से पहले शहर की यातायात व्यवस्था सुगम बनाई जा सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सती गेट से छोटा सराफा और खड़े हनुमान मंदिर तक, टंकी चौराहा से ढाबा रोड होते हुए दानी गेट तक, तथा जून सोमवारिया, केडी गेट और तेलीवाड़ा क्षेत्र में चल रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि जिन स्थानों पर कार्य धीमी गति से चल रहे हैं, वहां अतिरिक्त संसाधन लगाकर समय पर काम पूरा किया जाए। हरी फाटक क्षेत्र में निर्माणाधीन समानांतर ब्रिज के निरीक्षण के दौरान कार्य की रफ्तार अपेक्षा से कम मिलने पर संभागायुक्त ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने निर्माण एजेंसी की जवाबदेही तय करते हुए तत्काल 5 लाख रुपए की आर्थिक दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत शहर में सड़क, पुल और यातायात से जुड़ी परियोजनाओं की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। प्रशासन का फोकस ऐसे सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कर श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर है।

रात 12:30 बजे चाकू मारकर भाई ने भाई की हत्या

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शराब नहीं लाने की बात पर दो भाइयों के बीच विवाद हो गया छोटे भाई ने चाकू से हमला कर बड़े भाई की हत्या कर दी। घटना के बाद छोटा भाई भाग निकला। घायल को मां अस्पताल लेकर पहुंची। पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर आरोपी भाई की तलाश शुरू की है। देवास गेट थाना पुलिस ने बताया कि हीरामिल की चाल में रहने वाला में मनीष पिता मोहनलाल टटवाल 35 साल शुक्रवार रात मां शगुनबाई से शराब लाने की बात पर विवाद कर रहा था मां ने पैसे नहीं होने पर मन कर दिया था जिसके चलते मनीष ने विवाद शुरू कर दिया इसी बीच देर रात छोटा भाई सागर उर्फ़ नाना घर लौटा तो उसने बड़े भाई मनीष को मां से विवाद करते देखा तो समझाने का प्रयास किया लेकिन दोनों के बीच विवाद और हाथापाई शुरू हो गई। झगड़ा करते हुए दोनों घर से बाहर आ गए। इस दौरान सागर में चाकू निकालकर भाई मनीष के सीने में घोंप दिया। सागर ने दूसरा वार भी सीने पर किया और मौके से भाग निकला। मां शगुनबाई ने मनीष को खून से सना देखा तो रात 12:30 बजे आसपास के लोगों की मदद से अस्पताल लेकर पहुंची। जहां कुछ देर बाद मनीष की मौत हो गई। देवासगेट थाना एसआई राधेश्याम आंवलिया ने बताया कि घटनाक्रम की जानकारी मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंच गई थी। जहां जानकारी सामने आई थी मछली बनाने और शराब लाने की बात को लेकर हुए विवाद में छोटे भाई ने बड़े भाई की हत्या की है। भाई की हत्या कर भागे सागर की तलाश शुरू की गई है। शनिवार सुबह पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम कराया है। एसआई आंवलिया के अनुसार मृतक के खिलाफ 24 मामले दर्ज है वहीं कत्ल करने वाले छोटे भाई पर भी 8 आपराधिक मामले दर्ज है। मृतक के पिता का पूर्व में निधन हो चुका है।

विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार शनिवार को श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियों को उनके विधिक अधिकारों, उपलब्ध कल्याणकारी योजनाओं एवं विधिक सेवाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रदेशव्यापी विधिक साक्षरता शिविर अभियान के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के एडीआर सेंटर में श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियों के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

उक्त प्रदेशव्यापी विधिक जागरूकता शिविर अनुगूंज का ऑनलाइन शुभारंभ कार्यक्रम माननीय मुख्य न्यायाधीपति के करकमलों से प्रातः 10.30 बजे किया गया। एडीआर सेंटर में आयोजित हुए ऑनलाइन जागरूकता शिविर में मान. श्री अरविंद प्रताप सिंह चौहान विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी एक्ट, श्री अनुराग शर्मा जिला रजिस्ट्रार एवं सिविल न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड एवं श्री मनोज कुमार भाटी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जागरूकता शिविर में सहभागिता के लिए उपस्थित हुए महाकाल बधिर संघ, उज्जैन एवं म.प्र. विकलांग सहायता समिति, उज्जैन से लगभग 100 हितग्राही का स्वागत किया गया। उक्त प्रदेशव्यापी ऑनलाइन जागरूकता शिविर कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों को उनके विधिक अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता, शासकीय योजनाओं एवं समस्याओं के समाधान हेतु उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित व्यक्तियों की समस्याओं को सुना गया एवं उनके निराकरण हेतु आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

जागरूकता शिविर को सफल बनाने हेतु संबंधित हितधारकों से समन्वय स्थापित कर सिविल अस्पताल से दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने हेतु अधिकारियों एवं सामाजिक न्याय विभाग से भी दिव्यांगजनों के पेंशन प्रमाण पत्र बनाने के लिए अधिकारियों को बुलाया गया। शिविर के माध्यम से श्रवण एवं वाक् बाधित व्यक्तियों को यह संदेश दिया गया कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें तथा शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विधिक एवं सामाजिक सहायता योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें। कार्यक्रम में उपस्थित सभी हितग्राही द्वारा इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

उक्त विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा उपस्थित हितग्राहियों द्वारा कार्यक्रम की सराहना की गई। इस प्रकार के आयोजन समाज में समानता, न्याय एवं विधिक जागरूकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हरीफाटक रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य की धीमी गति होने से एजेंसी पर 5 लाख रुपए की पेनल्टी लगाई

हरीफाटक ओवरब्रिज निर्माण कार्य महत्वपूर्ण है, समय पर पूरा करने के लिए निर्माण एजेंसी संसाधन बढ़ाए -संभागायुक्त

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सिंहस्थ 2028 के तहत निर्माणाधीन विकास कार्यों को पूरा कराने के लिए नियमित निरीक्षण किए जा रहे हैं। शनिवार को संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने नगर निगम द्वारा शहरी क्षेत्र में मार्ग चौड़ीकरण कार्य और निर्माणाधीन हरीफाटक रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का निरीक्षण किया।

इस दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने ब्रिज निर्माण कार्य की गति धीमी होने पर निर्माण एजेंसी पर नाराजगी जाहिर की और मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) के अंतर्गत बन रही महत्वपूर्ण परियोजना हरीफाटक रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ब्रिज निर्माण कार्य की धीमी गति से कार्य प्रभावित होने पर संभाग आयुक्त श्री सिंह द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित निर्माणकर्ता एजेंसी रवि इंफ्राविल्ड प्रोजेक्ट लिमिटेड, राजस्थान पर 5 लाख रुपए की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने चौड़ीकरण कार्य के दौरान पाइप लाइन लीकेज होने पर नाराजगी जाहिर कर तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा भी मौजूद रहे।

सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत प्रचलित निर्माण कार्यों के नियमित निरीक्षण के दौरान संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह द्वारा नगर निगम के माध्यम से किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। कंठाल चौराहे से सतीगेट, छोटा सराफा से खड़े हनुमान मंदिर तक निरीक्षण कर निर्माण एजेंसी को एक साइट से नाली निर्माण करने और मार्ग में फैला मलबा हटाने के निर्देश दिए।

संभाग आयुक्त श्री सिंह ने पुरानी पानी की टंकी के पास छत्री चौक की ओर जाने वाले मार्ग को आमजनों के आवागमन की सुविधा के लिए सुधार करने के निर्देश निगम आयुक्त श्री मिश्रा को दिए।

संभागायुक्त श्री सिंह ने टंकी चौक चौराहे पर पाइप लाइन लीकेज होने पर नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि तत्काल पाइप लाइन का सुधार कार्य कराया जाए।

संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि आगे से मार्ग चौड़ीकरण कार्य के दौरान पाइप लाइन लीकेज होने पर संबंधित इंजीनियर की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाए।